हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

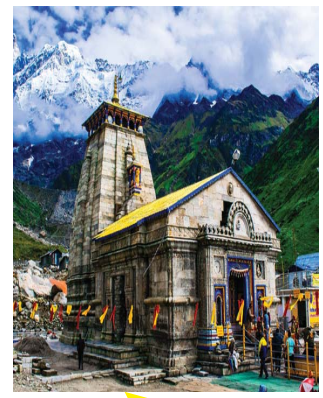

वर्ष:5 अंक:31 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, गुरूवार, 05 फरवरी 2026

नेता विपक्ष राहुल गांधी को देश, सेना और शहीदों को बदनाम करने में रुचि: मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

ब्रह्मलीन स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी महाराज की समाधि स्थल पर उनकी प्रतिमा स्थापना के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय समारोह का सोमवार को विधिवत शुभारंभ हुआ। इस पावन अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने समारोह को अपने लिए गौरव का क्षण बताते हुए स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी महाराज के जीवन, विचारों और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को नमन किया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंच से संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी महाराज केवल आध्यात्मिक संत ही नहीं थे, बल्कि वे राष्ट्र निर्माण के महान प्रेरणास्रोत भी थे। उन्होंने अध्यात्म को समाज और राष्ट्र के विकास से जोड़ने का कार्य किया। भारत माता मंदिर की स्थापना कर उन्होंने सनातन संस्कृति को एक सशक्त प्रतीक प्रदान किया और भारत माता की अवधारणा को जन-जन के हृदय में स्थापित किया।

राहुल गांधी के बयान पर मुख्यमंत्री फडणवीस का तीखा पलटवार

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री फडणवीस ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा संसद में पूर्व सेना प्रमुख को लेकर दिए गए बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को झूठे आरोप लगाकर अपने ही देश, सेना और शहीदों को बदनाम करने में रुचि दिखाई देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब उनके पास देशहित से जुड़े ठोस विषय नहीं होते, तब वे केवल सुर्खियों में बने रहने और चर्चा में आने के लिए इस प्रकार के गैर-जिम्मेदाराना बयान देते हैं। मुख्यमंत्री फडणवीस ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि देश की सेना और शहीदों का सम्मान हर नागरिक का कर्तव्य है और इस प्रकार के बयान निंदनीय हैं।

भारत की संस्कृति विश्व की सबसे प्राचीन: फडणवीस

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भारतीय संस्कृति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारी संस्कृति और विचारधारा विश्व की सबसे प्राचीन परंपराओं में से हैं। हमें इतिहास और विज्ञान को साथ लेकर अपनी सभ्यता के विकास की दिशा में आगे बढ़ना होगा। भारतीय जीवन पद्धति ने कभी किसी का बहिष्कार नहीं किया, यही कारण है कि भारत की सभ्यता हजारों वर्षों से निरंतर आगे बढ़ती आ रही है।

उन्होंने कहा कि स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी महाराज जैसे संत इस सभ्यता के सच्चे वाहक रहे हैं, जिन्होंने अपने विचारों और कार्यों से इसे अगली पीढ़ियों तक पहुंचाने का कार्य किया। आज आयोजित यह समारोह उनके अधूरे कार्यों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

देश की बड़ी हस्तियों और संत-महात्माओं की रही गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर देश की कई प्रमुख हस्तियां और संत समाज के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया और मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला विशेष रूप से शामिल हुए। इसके अलावा स्वामी राजराजेश्वराश्रम महाराज, जूना पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी, अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष एवं भारत माता मंदिर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव, महामंडलेश्वर हरिचेतनानंद गिरी और महामंडलेश्वर ललितानंद गिरी सहित अनेक संत-महात्मा एवं गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

राष्ट्रगान और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ

उत्तरी हरिद्वार में आयोजित इस भव्य समारोह का शुभारंभ राष्ट्रगान के साथ किया गया। इसके पश्चात पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद सहित सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर तीन दिवसीय कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। कार्यक्रम स्थल पर श्रद्धा, भक्ति और राष्ट्रभाव का अद्भुत संगम देखने को मिला।

लोकसभा में तीसरे दिन गतिरोध बरकरार, कार्यवाही पांच बजे तक स्थगित

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के भारी हंगामे के कारण आज तीसरे दिन भी कामकाज नहीं हो सका और सदन की कार्यवाही पांच बजे तक स्थगित कर दी गयी।

दो बार स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही दो बजे शुरु होते ही विपक्षी सदस्य नारेबाजी करते हुए सदन के बीचोंबीच आ गये। पीठासीन अधिकारी कृष्ण प्रसाद तेन्नटी ने हंगामे के बीच राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा को आगे बढाते हुये तेलुगु देशम पार्टी के जीएम हरीश बालयोगी का नाम पुकारा। श्री बालयोगी ने कहा कि राष्ट्रपति का अभिभाषण सुधारों से भरा हुआ है। यह विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने वाला है।

इसमें 25 लाख लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने की बात कही गयी है। निजी सुरक्षा और उत्तरदायित्व के साथ हम आगे बढ रहे है। अटल टिकरिंग के लिए अधिक धनराशि के आवंटन से नवाचार को बढावा मिलेगा। छात्राओं की शिक्षा को बढावा देने के लिए हर जिले में एक हास्टल खोलने का प्रस्ताव किया गया है। भाजपा के निशिकांत दुबे ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर अपनी बात रखते हुए कांग्रेस पर सीधा प्रहार किया और कुछ किताबों के हवाले से आलोचना करने लगे। हालांकि इस बीच पीठासीन अधिकारी लगातार किताब के हवाले से बात करने से रोकते रहे। इस बीच हंगामा तेज हो गया जिसके कारण सदन की कार्यवाही पांच बजे तक स्थगित कर दी गई।

इससे पहले लोकसभा में विपक्ष के सदस्यों ने कांग्रेस के आठ सदस्यों के बजट सत्र के लिए निलंबन के विरोध में बुधवार को ज़बरदस्त हंगामा किया जिसके कारण अध्यक्ष ओम बिरला को सदन की कार्यवाही पांच मिनट के भीतर ही 12 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। श्री बिरला ने सदन की कार्यवाही शुरु करते हुए खाद्य प्रसंस्करण और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय से संबंधित सवालों पर सदस्यों के जवाब विभाग के मंत्री से देने को कहा। इस बीच विपक्ष के सदस्य सदन की बीचों-बीच आकर हंगामा करने लगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रति माह 518 युवाओं को दी सरकारी नौकरी

साढ़े चार साल में 28 हजार से अधिक को मिला रोजगार

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार के साढ़े चार साल के कार्यकाल में युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की गई है। इस अवधि में प्रदेश के 28 हजार से अधिक युवाओं को विभिन्न विभागों में सरकारी नौकरी प्रदान की गई है। आंकड़ों के अनुसार, सरकार ने प्रति माह औसतन 518 युवाओं को स्थायी सरकारी रोजगार उपलब्ध कराया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 04 जुलाई 2021 को कार्यभार ग्रहण किया था। पहले और दूसरे कार्यकाल को मिलाकर वर्तमान में उनका कार्यकाल 54 माह का हो चुका है। इस दौरान उत्तराखंड लोक सेवा आयोग, उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग तथा चिकित्सा सेवा चयन आयोग के माध्यम से बड़ी संख्या में भर्तियां की गईं। सरकार का दावा है कि आगामी एक वर्ष में भी विभिन्न आयोगों के जरिए रिकॉर्ड संख्या में भर्तियां संपन्न की जाएंगी, जिससे यह आंकड़ा और बढ़ने की संभावना है।

नकल विरोधी कानून से भर्ती प्रक्रिया में आई तेजी

सरकारी भर्तियों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और नकल माफिया पर लगाम कसने के लिए धामी सरकार ने फरवरी 2023 में उत्तराखंड प्रतियोगी परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम एवं निवारण के उपाय) अधिनियम लागू किया। इस सख्त नकल विरोधी कानून के लागू होने के बाद प्रदेश में भर्ती परीक्षाएं समयबद्ध और निष्पक्ष रूप से संपन्न हो रही हैं। पहले जहां भर्ती प्रक्रियाओं में औसतन दो से तीन वर्ष का समय लग जाता था, वहीं अब अधिकांश भर्तियां एक वर्ष के भीतर पूरी हो रही हैं। पारदर्शिता बढ़ने से प्रतिभाशाली युवाओं को एक से अधिक विभागों में चयन के अवसर भी प्राप्त हो रहे हैं।

विदेशों में रोजगार के लिए कौशल विकास पर फोकस

राज्य सरकार ने युवाओं को वैश्विक स्तर पर रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से 9 नवंबर 2022 को मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना की शुरुआत की। इस योजना के तहत युवाओं को आतिथ्य, नर्सिंग और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण के उपरांत युवाओं को जर्मनी और जापान जैसे देशों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। योजना के अंतर्गत अब तक 154 युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जिनमें से 37 युवाओं को जापान में रोजगार प्राप्त हो चुका है।

युवाओं के रोजगार और स्वरोजगार के लिए सरकार प्रतिबद्ध: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उनकी सरकार युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अधिकतम अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर रिक्त पदों पर रिकॉर्ड संख्या में सरकारी नौकरियां दी गईं, वहीं दूसरी ओर भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्ष बनाने के लिए सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया। साथ ही कौशल विकास और स्वरोजगार योजनाओं के माध्यम से भी युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

हिंदी पत्रकारिता का 200 वर्ष तक निरंतर सक्रिय रहना उसकी गहराई, प्रतिबद्धता और समर्पण का प्रतीक: राज्यपाल

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने बुधवार को हरिद्वार में प्रेस क्लब, हरिद्वार द्वारा आयोजित ''हिन्दी पत्रकारिता द्वि-शताब्दी समारोह'' में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने हिंदी पत्रकारिता के ऐतिहासिक, सामाजिक और लोकतांत्रिक योगदान पर अपने विचार साझा किए। राज्यपाल ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता का 200 वर्ष तक निरंतर सक्रिय रहना उसकी गहराई, प्रतिबद्धता और समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन से आरंभ हुई हिंदी पत्रकारिता की यात्रा को राष्ट्र चेतना के जागरण का माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि भारत की भावनाओं, संस्कृति और आत्मा की अभिव्यक्ति है। राज्यपाल ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता सत्य, विवेक और मूल्यों के साथ सत्ता से प्रश्न पूछती है और जनहित को केंद्र में रखती है, यही लोकतंत्र की वास्तविक चेतना है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता केवल सत्ता परिवर्तन नहीं थी, बल्कि सभ्यता के पुनर्जागरण और नवभारत के निर्माण का संकल्प थी। इस संकल्प को आगे बढ़ाने में हिंदी पत्रकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्यपाल ने कहा कि आज डिजिटल युग में मीडिया का स्वरूप तेजी से बदल रहा है, लेकिन पत्रकारिता का मूल धर्म अपरिवर्तित रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदी पत्रकारिता केवल घटनाओं की रिपोर्टिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज के वंचित वर्गों की आवाज, नारी सम्मान की संवाहक और सामाजिक सुधार की अग्रदूत रही है। हरिद्वार की आध्यात्मिक भूमि का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह नगर केवल तीर्थ नहीं, बल्कि भारत की चेतना का केंद्र है। वर्ष 2025 में हरिद्वार में आए करोड़ों पर्यटकों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पत्रकारों की यह जिम्मेदारी है कि वे अपनी लेखनी के माध्यम से करोड़ों लोगों तक सकारात्मक, राष्ट्रनिर्माण का संदेश पहुँचाएं। उन्होंने मीडिया से यह भी अनुरोध किया कि वह शहर की सफाई व्यवस्था हेतु जन जागरण का बीड़ा उठाए। राज्यपाल ने पत्रकारों से कहा कि वे जनहित, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्र पुनर्निर्माण के प्रति अपने दायित्व को संकल्प के रूप में स्वीकार करें और भारत को 2047 तक विकसित, आत्मनिर्भर और विश्व गुरु बनाने की दिशा में अपनी भूमिका निभाएं। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित निर्मल पाठक ने ''आजादी के बाद राष्ट्र पुनः निर्माण में हिन्दी पत्रकारिता'' विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। जनपद आगमन पर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोभाल ने पुष्प गुच्छ भेंटकर राज्यपाल का स्वागत किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष, प्रेस क्लब हरिद्वार धर्मेन्द्र चौधरी, मुख्य संयोजक सुनील पाण्डेय, संयोजक संजय आर्य, संयोजक डॉ. प्रदीप जोशी, कोष सचिव काशीराम सैनी, सांस्कृतिक सचिव आशु शर्मा, महामंत्री दीपक मिश्रा सहित संयोजक समिति के सदस्यगण और अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल में रोबोटिक्स चैलेंज प्रतियोगिता का आयोजन

पथ प्रवाह, हरिद्वार। डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल, जगजीतपुर में 4 फरवरी 2026 को ट्राईफाई के सहयोग से कक्षा 5 से 9 तक के विद्यार्थियों के लिए रोबोटिक्स चैलेंज 2025-26 का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में रोबोटिक्स के क्षेत्र में नवाचार, तार्किक सोच और व्यावहारिक शिक्षा को प्रोत्साहित करना था।

यह प्रतियोगिता तीन चरणों में आयोजित की गई, जिसमें बढ़ती कठिनाई के स्तर के कुल पाँच टास्क शामिल थे। प्रारंभिक तीन टास्क में विद्यार्थियों की रोबोट निर्माण क्षमता, कोडिंग लॉजिक और सेंसर अनुप्रयोग की समझ का मूल्यांकन किया गया। इन टास्कों के पूर्ण होने के बाद एलिमिनेशन राउंड आयोजित किया गया, जिसमें श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली टीमों को अंतिम चरण के लिए चयनित किया गया।

चौथे और पाँचवें टास्क में चयनित टीमों को उन्नत समस्या-समाधान कौशल और रोबोटिक्स अवधारणाओं के वास्तविक समय अनुप्रयोग से जुड़ी चुनौतियाँ दी गईं। सभी प्रतिभागियों ने उत्साह और दक्षता के साथ प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के अंत में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

प्रतियोगिता में नचिकेता आर्य (कक्षा 7), अर्णव शर्मा एवं अर्हम जैन (कक्षा 9) की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं अर्जुन गौतम (कक्षा 7), गौरांशी मिश्रा एवं पार्थ बडोला (कक्षा 9) की टीम द्वितीय स्थान पर रही। श्रेयांश कंवल (कक्षा 7), समर्थ एवं अध्ययन सैनी (कक्षा 6) की टीम ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेताओं को प्रमाण पत्र के साथ स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक प्रदान किए गए। विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोज कुमार कपिल ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए प्रतिभागियों को भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तकनीकी कौशल को विकसित करती हैं। यह कार्यक्रम भौतिक विज्ञान अध्यापक नवनीत कुमार गुप्ता एवं कंप्यूटर अध्यापिका दीपशिखा शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उनके निरंतर सहयोग और विशेषज्ञता ने प्रतियोगिता के सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय के रोबोटिक्स क्लब के सदस्यों ने प्रधानाचार्य के निरंतर प्रोत्साहन और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

रोबोटिक्स चैलेंज 2025-26 विद्यार्थियों के लिए एक ज्ञानवर्धक अनुभव सिद्ध हुआ, जिसने रचनात्मकता, टीम वर्क तथा विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (स्त्रश्वरू) शिक्षा के प्रति गहरी रुचि को बढ़ावा दिया।

एक नजर

अवैध गांजे के साथ नशा तस्कर किया गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान को सफल बनाने के लिए कोतवाली ज्वालापुर पुलिस द्वारा अभियान चलाकर कार्रवाई की गई। पुलिस ने चेकिंग के दौरान अभियुक्त महिपाल पुत्र जगदीश निवासी ग्राम फलोदी नैटोर जिला बिजनौर को करीब सवा दो किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजे के साथ लालपुल के पास नहर पटरी से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध कोतवाली ज्वालापुर पर मुकदमा पंजीकृत किया गया।

विधायक निधि के दुरुपयोग के मामले में पूर्व निर्दलीय विधायक को ईडी ने किया गिरफ्तार

अलवर। राजस्थान में अलवर में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की क्षेत्रीय इकाई ने विधायक निधि के दुरुपयोग के मामले में बहरोड़ से निर्दलीय विधायक रह चुके बलजीत यादव को मंगलवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की दर्ज प्राथमिकी के आधार पर हुई है। ईडी इस प्राथमिकी के आधार पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच कर रही थी। ईडी ने उन्हें यहां शाहजहांपुर टोल प्लाजा पर तब पकड़ा जब वे दिल्ली जा रहे थे। प्लाजा पर चार-पांच गाड़ियों में प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी और कर्मचारी और सीआरपीएफ के जवान भी थे। श्री यादव को हिरासत में लेकर वे तुरंत ही जयपुर के लिए रवाना हो गए। सूत्रों ने बताया कि पूर्व विधायक श्री यादव पर आरोप है कि उनके विधायक कार्यकाल के दौरान अलवर जिले की 32 सरकारी विद्यालयों खेल सामग्री की आपूर्ति में विधायक निधि का दुरुपयोग किया गया। यह राशि करीब चार करोड रुपए बताई जा रही है। जांच में सामने आया कि विद्यालयों को घटिया गुणवत्ता की खेल सामग्री दी गई, जबकि भुगतान सरकारी मानकों के अनुसार किया गया। यह आपूर्ति पूर्व विधायक के सहयोगियों और रिश्तेदारों से जुड़ी फर्मों के माध्यम से की गई।

सूत्रों ने बताया कि ईडी ने पिछले वर्ष इस मामले में व्यापक छापेमारी की थी। जनवरी 2025 में जयपुर में आठ, दौसा और अलवर में एक-एक ठिकानों सहित कुल 10 स्थानों पर कार्रवाई की गई थी। छापेमारी के दौरान 31 लाख रुपये की नकदी और संपत्तियों से जुड़े कई अहम दस्तावेज जब्त किए गए थे, जिन्हें जांच के लिए महत्वपूर्ण माना गया।

आचार्यकुलम में योग व आध्यात्म से प्राप्त संस्कारों से विद्यार्थी का नित्य शिखरारोहण: रामदेव

पथ प्रवाह, हरिद्वार। स्वामी रामदेव व आचार्य बालकृष्ण द्वारा स्थापित आवासीय विद्यालय आचार्यकुलम् में सत्रः 2025-26 की कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के दीक्षारोहण का पावन उत्सव वैदिक रीति से संपन्न हुआ। इस सुअवसर पर आचार्यकुलम् शिक्षण संस्थान में 12 कुण्डीय विशेष यज्ञ का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य स्वामी रामदेव रहे। आचार्य बाल कृष्ण की गरिमामयी उपस्थिति में सत्रः 2025-26 की कक्षा 12वीं के 49 बालकों व 41 बालिकाओं सहित कुल 90 विद्यार्थियों का दीक्षारोहण वैदिक रीति से संपन्न हुआ। मंत्रोच्चार के मध्य स्वामीजी महाराज ने प्रत्येक क्रियाविधि की सरल व्याख्या की तथा सभी विद्यार्थियों ने स्वामी रामदेव व आचार्य बालकृष्ण द्वारा प्रज्ज्वलित 'महाज्ञान ज्योति' से अपने दीपों को ज्योतिर्मय कर दीक्षारोहण की प्रतिज्ञा ली और आचार्यकुलम् से प्राप्त शिक्षा व संस्कारों को सर्वत्र प्रसारित करने का संकल्प व्यक्त किया। स्वामी और आचार्य ने सभी विद्यार्थियों को अपने करकमलों से प्रतीकचिह्न भेंट किए और सुमनवृष्टि कर शुभाशीष प्रदान किया। आचार्यकुलम् की उपाध्यक्षा डॉ. ऋतंभरा शास्त्री 'बहनजी' व प्राचार्या स्वाति मुंशी ने भी विद्यार्थियों को आगामी बोर्ड परीक्षाओं हेतु शुभकामनाएं व शुभाशीष प्रदान किए।

इस अवसर पर भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. एनपी. सिंह, बहन आशु व पारुल, हरियाणा योग आयोग के अध्यक्ष जयदीप आर्य, भारत स्वाभिमान के मुख्य केंद्रीय प्रभारी राकेश मित्तल, साधना व समर्पण के पर्याय संन्यासीवृंद, श्रद्धामयी साध्वी बहनें, पतंजलि प्रोजेक्ट व इन्फ्रा के सीईओ रवि पंडित, पतंजलि आयुर्वेद महाविद्यालय के प्राचार्य अनिल यादव, पतंजलि कैरियर अकादमी के प्रमुख प्रदीप, आचार्यकुलम् के उप-प्राचार्य तापस, क्रीड़ाध्यक्ष व प्रधान छात्रपाल अमित, समन्वयिका दीपा सहित सभी आचार्य, कर्मचारीगण व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नाबालिक के अपहरण और दुष्कर्म का आरोपी राजस्थान से किया गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। नाबालिक लड़की को लेकर फरार हुए आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से नाबालिक लड़की को सकुशल बरामद कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक बहादराबाद निवासी व्यक्ति ने बीती 20 जनवरी को थाना बहादराबाद में तहरीर देकर बताया था कि उसकी नाबालिक पुत्री (उम्र लगभग 14 वर्ष) को आरोपी संजय पुत्र रूपनारायण, निवासी ग्राम श्यामलाल पुरवा, जिला सीतापुर (उप्र) द्वारा बहला-फुसलाकर अपहरण कर लिया गया है।

प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना बहादराबाद में तत्काल सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया। नाबालिक के अपहरण से संबंधित इस गम्भीर प्रकरण का वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, हरिद्वार द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए थानाध्यक्ष बहादराबाद को नाबालिक की शीघ्र बरामदगी एवं आरोपी की गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया। निर्देशों के अनुपालन में थानाध्यक्ष बहादराबाद के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा सीआईयू हरिद्वार के सहयोग से कुशल सुरागरसी-पतारसी एवं सर्विलांस की सहायता से बीती 3 जनवरी को आरोपी संजय को कस्बा व थाना नीमराना, जिला कोटपुतली-बहरोड़ (राजस्थान) से हिरासत में लिया। आरोपी के कब्जे से अपहृता को सकुशल बरामद किया गया। प्रकरण की विवेचना के दौरान तथ्यों के आधार पर अभियोग में पॉक्सो अधिनियम की धाराओं की वृद्धि कर विधिक कार्यवाही अमल में लाई जा रही है।

भारत माता मन्दिर के संस्थापक ब्रह्मलीन परम पूज्य गुरुदेव के समाधि मन्दिर-मूर्ति स्थापना महोत्सव

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

भारत माता मन्दिर के संस्थापक, ब्रह्मलीन करुणामूर्ति, भगवद्पादाचार्य परम्परा के दिव्य संवाहक, वैदिक सनातन धर्म-संस्कृति के तेजस्वी प्रवक्ता, पद्मभूषण से अलंकृत, निवृत्त शंकराचार्य, परम पूज्य स्वामी सत्यमित्रानन्द गिरि जी महाराज की पुण्य स्मृतियों को चिरस्थायी एवं अक्षुण्ण स्वरूप प्रदान करने हेतु आयोजित त्रिदिवसीय 'गुरुदेव समाधि मन्दिर-मूर्ति स्थापना महोत्सव' के प्रथम दिवस का भव्य शुभारम्भ आज हरिद्वार स्थित सप्तऋषि मैदान में अत्यन्त श्रद्धा, भक्ति और गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। त्रिदिवसीय महोत्सव (04, 05 एवं 06 फरवरी 2026) का शुभारम्भ भारत गणराज्य के 14वें राष्ट्रपति रहे रामनाथ कोविन्द द्वारा किया गया। यह आयोजन भारत माता मन्दिर-समन्वय सेवा ट्रस्ट एवं भारत माता जनहित ट्रस्ट के अध्यक्ष, जूनापीठाधीश्वर आचार्यमहामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि के पावन सान्निध्य में सम्पन्न हो रहा है। कार्यक्रम का शुभारम्भ भारत माता मन्दिर से सप्तऋषि मैदान स्थित आयोजन

स्थल तक निकाली गई भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ। शोभायात्रा में संत समाज, अखाड़ों के प्रतिनिधि, श्रद्धालुजन एवं साधु-संतों की विशाल सहभागिता रही। पूरे मार्ग में 'भारत माता की जय' के जयघोष से वातावरण राष्ट्रभक्ति और अध्यात्म से ओत-प्रोत रहा। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द भारत माता मन्दिर पहुँचे, जहाँ उन्होंने भारत माता के दर्शन एवं विधिवत पूजन किया। तत्पश्चात उन्होंने ब्रह्मलीन परम गुरुदेव की समाधि स्थल 'राघव कुटीर' में दर्शन-पूजन कर राष्ट्रहित, सामाजिक समरसता एवं जनकल्याण की कामना की। इसके बाद वे आयोजन स्थल पहुँचे और समारोह को गरिमा प्रदान की। अपने उद्बोधन में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने ब्रह्मलीन परम गुरुदेव को राष्ट्र की अमूल्य विभूति बताते हुए कहा कि उन्होंने भारत माता मन्दिर की स्थापना कर राष्ट्र की चेतना, एकता और अखण्डता को सुदृढ़ करने का कार्य किया। उन्होंने समाज के वंचित, उपेक्षित एवं शोषित वर्गों तक सेवा और सहायता पहुँचाने का प्रेरणादायी कार्य किया। उन्होंने कहा कि गुरुदेव की मूर्ति स्थापना केवल श्रद्धा का प्रतीक नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए राष्ट्रनिर्माण की प्रेरणा है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि स्वामी सत्यमित्रानन्द गिरि ने अन्न, अक्षर और विशेष रूप से स्वास्थ्य के क्षेत्र में जो कार्य किए, वे समाज और राष्ट्र के उत्थान में मील का पत्थर हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे संतों के विचार आज भी देश को दिशा देने का कार्य करते हैं।

देश की शीर्ष हस्तियों की गरिमामयी उपस्थिति

प्रथम दिवस के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द उपस्थित रहे। उनके साथ पंजाब के राज्यपाल गुलाबचन्द कटारिया, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तथा मध्य प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला की विशिष्ट उपस्थिति रही।

इस अवसर पर स्वामी अवधेशानन्द गिरि ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द सहित सभी विशिष्ट अतिथियों एवं संत-महात्माओं का आभार व्यक्त किया और उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में सविता कोविन्द, स्वाति कोविन्द, अनिता कटारिया, राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविन्ददेव गिरि, जगद्गुरु आश्रम कनखल हरिद्वार के परमाध्यक्ष स्वामी राजराजेश्वरानन्द, हरिद्वार विधायक मदन कौशिक, आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष विनय रोहिला, रुड़की विधायक प्रदीप बत्रा, महामण्डलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानन्द गिरि, महामण्डलेश्वर स्वामी हरिचेतनानन्द, जूना अखाड़ा के महामंत्री स्वामी महेश पुरी, महामण्डलेश्वर स्वामी ललितानन्द गिरि, महंत देवानन्द, महामण्डलेश्वर नैसर्गिका गिरि, भारत माता मन्दिर-समन्वय सेवा ट्रस्ट के सचिव आई.डी. शास्त्री, संस्था के वरिष्ठ न्यासीगण, संत समाज, शासन-प्रशासन के अधिकारी तथा हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

हरिद्वार नगर निगम की ऐतिहासिक पहल- किन्नर सोनिया स्वच्छता अभियान की ब्रांड एम्बेसडर

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

धर्मनगरी हरिद्वार में सामाजिक समरसता और स्वच्छता के क्षेत्र में नगर निगम ने एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायी कदम उठाया है। नगर निगम हरिद्वार ने किन्नर समाज की सम्मानित प्रतिनिधि सोनिया को स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया है। उत्तराखंड के इतिहास में यह पहली बार है जब ट्रांसजेंडर समुदाय के किसी सदस्य को इस स्तर की सामाजिक जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह निर्णय न केवल स्वच्छता अभियान को नई दिशा देगा, बल्कि समाज में समानता, सम्मान और सहभागिता का मजबूत संदेश भी स्थापित करेगा। इस पहल के तहत ब्रांड एम्बेसडर

सोनिया अपने साथियों के साथ शहर के विभिन्न वार्डों में जाकर नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करेंगी। अभियान का मुख्य फोकस गीले और सूखे कचरे के पृथक्करण, दो डस्टबिन प्रणाली को अपनाने और घर-घर स्वच्छता की आदत विकसित करने पर रहेगा। नगर निगम का मानना है कि समाज के हर वर्ग की भागीदारी से ही स्वच्छ हरिद्वार का सपना साकार हो सकता है।

नगर निगम हरिद्वार के आयुक्त नंदन कुमार (आईएएस) ने इस निर्णय को सामाजिक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी है। ट्रांसजेंडर समुदाय को सम्मानजनक भूमिका देकर नगर निगम ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि वास्तविक बदलाव तभी संभव है, जब समाज का हर वर्ग बराबरी से सहभागी बने। ब्रांड एम्बेसडर बनाए जाने पर सोनिया ने इस अवसर को पूरे किन्नर समाज के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने कहा कि किन्नर समाज सदैव से सामाजिक आयोजनों और परंपराओं का अभिन्न हिस्सा रहा है और अब स्वच्छ हरिद्वार के निर्माण में भी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपनी भूमिका निभाएगा। सोनिया जी ने विश्वास दिलाया कि वे अपने सहयोगियों के साथ मिलकर स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुँचाने का कार्य करेंगी। नगर निगम की यह पहल न केवल स्वच्छता के क्षेत्र में मिसाल बनेगी, बल्कि सामाजिक समावेशन और समानता की दिशा में भी हरिद्वार को एक नई पहचान दिलाएगी।

एक नजर

प्रेम विवाह की रंजिश में बर्बर हमला, किसान के दोनों पैर तोड़े

पथ प्रवाह, हरिद्वार। प्रेम विवाह को लेकर चली आ रही रंजिश ने गांव में हिंसक रूप ले लिया। खेत देखने गए एक किसान पर चार-पांच लोगों ने घेरकर जानलेवा हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने गाली-गलौज करते हुए किसान को जमीन पर गिराया और बलकटी की मूंठ से दोनों पैरों पर ताबड़तोड़ वार कर उसकी हड्डियां तोड़ दीं। शोर मचाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर में बुक्कनपुर निवासी अंकुश ने बताया कि उसके भाई अंशू ने गांव की एक युवती से प्रेम विवाह किया है, जिससे युवती के परिजन बेहद नाराज हैं। इसी रंजिश के चलते लंबे समय से परिवार को परेशान किया जा रहा है, हालात ऐसे बने कि परिवार को घर छोड़कर इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। आरोप है कि 27 जनवरी की शाम करीब चार बजे अंकुश के पिता स्वराज खेत में फसल देखने गए थे। इसी दौरान युवती के पिता रतन सिंह, उसका बेटा आशीष, धर्मेंद्र, निकेश, सुनील और शिवम कुमार मौके पर पहुंचे और अभद्र गालियां देते हुए हमला कर दिया। हमलावरों ने स्वराज को जमीन पर गिराकर लात-घूंसों से पीटा और बलकटी की मूंठ से दोनों पैरों पर वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पीड़ित के शोर मचाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। जाते-जाते धमकी दी कि यदि आगे गांव में परिवार का कोई सदस्य दिखाई दिया तो सभी को जान से मार दिया जाएगा। थानाध्यक्ष मनोज नौटियाल ने बताया कि तहरीर के आधार पर नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है।

यूपी की तर्ज पर हरिद्वार में भी खोली जाए कैदी कैंटीन : धवन

पथ प्रवाह, हरिद्वार। उत्तर प्रदेश की तर्ज पर उत्तराखंड में भी जेल की रोटी का आउटलेट खोले जाने की मांग उठी है। महानगर इंटक के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने मोनिक धवन के नेतृत्व में जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में कहा गया कि उत्तर प्रदेश में जेल की रोटी और भोजन के आउटलेट सफलतापूर्वक संचालित किए जा रहे हैं, जहां कैदियों द्वारा स्वच्छ और स्वास्थ्यवर्धक तरीके से भोजन तैयार किया जाता है। इसे लागत मूल्य से लगभग 10 प्रतिशत अधिक दर पर बेचा जाता है, जिससे सरकार की आय में वृद्धि होती है और कैदियों को रोजगार व आय का अवसर मिलता है। मोनिक धवन ने बताया कि यूपी में ऑन-डिमांड ऑनलाइन जेल की रोटी की होम डिलीवरी के लिए फूड डिलीवरी कंपनियों के साथ योजना तैयार की जा रही है। इसके अलावा कई जेलों के बाहर 'जेल चौपाटी' के रूप में कैदी कैंटीन स्थापित की गई हैं, जहां आम लोग जेल के भोजन का स्वाद ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि उत्तराखंड, विशेषकर हरिद्वार में इस तरह की कैदी कैंटीन शुरू की जाती है, तो इससे राज्य सरकार की आय बढ़ेगी, कैदियों के पुनर्वास को बढ़ावा मिलेगा और पर्यटन को भी नया आयाम मिलेगा। आगामी अर्ध कुंभ मेले के दौरान देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए यह एक नया और विशेष आकर्षण साबित हो सकता है।

ज्ञापन सौंपने वालों में मोनिक धवन, मंजू रानी, लक्ष्मी मिश्रा, फैयाज अली, पूजा अरोरा, विशाल विनोद सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आज हरिद्वार में होगा महाराष्ट्र के दिवंगत डिप्टी सीएम की अस्थियों का विसर्जन

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस के तत्वावधान में एनसीपी के दिवंगत राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री महाराष्ट्र सरकार अजित दादा की अस्थियों का विसर्जन आज 5 फरवरी, को हरिद्वार स्थित हर की पौड़ी पर किया जाएगा।

इस अवसर पर सुबह दिल्ली स्थित एनसीपी के राष्ट्रीय मुख्यालय से अस्थि कलश यात्रा शुरू होगी, दिल्ली से हरिद्वार तक निकलने वाली इस यात्रा में बड़ी संख्या में गाड़ियों का काफिला शामिल होगा। यात्रा में नोएडा और गाजियाबाद से भी पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों की कई गाड़ियां

जुड़ेंगी। अस्थि कलश यात्रा के दौरान राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी एवं राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस के कार्यकर्ता विभिन्न स्थानों पर शामिल होकर स्वर्गीय अजित दादा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

दिल्ली से हरिद्वार तक होने वाली इस अस्थि कलश यात्रा की अगुवाई राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरज शर्मा करेंगे। हरिद्वार पहुंचने पर सुबह 11 बजे, हर की पौड़ी पर तीर्थ पुरोहितों के सान्निध्य में विधि-विधान से मां गंगा जी में अस्थि विसर्जन संपन्न कराया जाएगा। पार्टी नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों से शांतिपूर्ण एवं अनुशासित रूप से कार्यक्रम में सहभागिता करने की अपील की है।

1525 लोगों को किया योजनाओं से लाभान्वित, 375 को जारी किए गए प्रमाण पत्र

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

उप जिलाधिकारी देवेंद्र सिंह नेगी की अध्यक्षता में विकासखंड भगवानपुर के न्याय पंचायत डाडा जलालपुर किसान इंटर कॉलेज में जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार शिविर में विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित जन कल्याणकारी योजनों से 1525 क्षेत्रवासियों को लाभान्वित किया गया। विभिन्न विभागों के माध्यम से 375 लोगों को विभिन्न प्रमाण पत्र निर्गत किए गए। शिविर में 1980 लोगों द्वारा किया गया प्रतिभाग।

शिविर ने क्षेत्रवासियों द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित 88 समस्याएं दर्ज कराई गई, जिसमें 45 समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया गया,शेष समस्याओं को त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया। उपाध्यक्ष, समाज कल्याण योजनाएं अनुश्रवण समिति (राज्यमंत्री स्तर) देशराज कर्णवाल ने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार प्रदेश की सभी न्याय पंचायतों में यह अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जन-कल्याणकारी योजनाओं का

लाभ पात्र नागरिकों तक पहुँचाना है तथा उनकी समस्याओं का त्वरित गति से समाधान सुनिश्चित करना है। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष द्वारा शिविर में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टालों का भी निरीक्षण किया साथ ही क्षेत्रवासियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। उप जिलाधिकारी भगवानपुर ने संबंधित अधिकारियों को कहा कि जिन शिकायतों का जन जन की सरकार जन जन के द्वार कार्यक्रम में निस्तारित नहीं हो पाया है उन शिकायतों का तत्परता से निराकरण करना सुनाश्चित करे। शिविर में राज्य मंत्री श्यामबीर सैनी, मण्डल अध्यक्ष भूपेंद्र सैनी, पूर्व मण्डल अध्यक्ष योगेश सैनी व नितिन सैनी,खंड विकास अधिकारी आलोक गार्गेय सहित क्षेत्र के समस्त ग्राम प्रधानगण, पंचायत सदस्यगण, अधिकारी व कर्मचारीगण और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

संपादकीय

प्रधानमंत्री मोदी की सकारात्मक मुहिम 'परीक्षा पे चर्चा'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहचान केवल एक प्रशासक के रूप में नहीं, बल्कि एक संवेदनशील मार्गदर्शक के रूप में भी स्थापित होती जा रही है। देश के करोड़ों विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और भविष्य को लेकर उनकी चिंताओं को समझते हुए शुरू की गई पहल 'परीक्षा पे चर्चा' उसी सकारात्मक सोच की सशक्त अभिव्यक्ति है। यह कार्यक्रम न केवल परीक्षा के तनाव को कम करने की कोशिश है, बल्कि युवा भारत को आत्मबल, संतुलन और जीवन-दृष्टि देने की एक राष्ट्रीय मुहिम बन चुका है।

इसी सकारात्मक मुहिम को आगे बढ़ाते हुए उत्तराखंड सरकार ने सभी विद्यालयों में 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम की अनिवार्य भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्णय लिया है। विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत का यह निर्देश दर्शाता है कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री मोदी की इस सोच को जमीनी स्तर तक प्रभावी रूप से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश में 7 लाख से अधिक छात्रों का पंजीकरण इस बात का प्रमाण है कि यह कार्यक्रम छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के बीच गहरी स्वीकार्यता प्राप्त कर चुका है।

6 फरवरी को आयोजित 'परीक्षा पे चर्चा' के 9वें संस्करण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशभर के छात्रों से सीधा संवाद करेंगे। यह संवाद किसी औपचारिक मंच तक सीमित नहीं होता, बल्कि दिल से दिल तक पहुँचने वाली बातचीत होती है। प्रधानमंत्री अपने अनुभवों, उदाहरणों और सरल भाषा के माध्यम से छात्रों को यह समझाते हैं कि परीक्षा जीवन का एक पड़ाव है, मंज़िल नहीं। असफलता से घबराने के बजाय उससे सीख लेने का संदेश आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में अत्यंत आवश्यक है।

प्रधानमंत्री मोदी की इस पहल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल छात्रों को नहीं, बल्कि अभिभावकों और शिक्षकों को भी संबोधित करती है। वे अभिभावकों से अपेक्षाओं का बोझ कम करने और शिक्षकों से मार्गदर्शक की भूमिका निभाने का आह्वान करते हैं। इससे शिक्षा की पूरी प्रक्रिया अधिक मानवीय और संतुलित बनती है।

प्रदेश के सभी विद्यालयों में डिजिटल माध्यम से कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सुनिश्चित करना एक दूरदर्शी कदम है। टीवी, एजुसेट और इंटरनेट के माध्यम से यह संदेश दूर-दराज़ के क्षेत्रों तक पहुँचेगा, जिससे कोई भी छात्र इस राष्ट्रीय संवाद से वंचित न रहे।

आज जब छात्रों में तनाव, अवसाद और आत्मविश्वास की कमी जैसी समस्याएँ बढ़ रही हैं, ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'परीक्षा पे चर्चा' एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है। यह कार्यक्रम अंकों से आगे सोचने, जीवन को समझने और स्वयं पर विश्वास करने की प्रेरणा देता है। निस्संदेह, प्रधानमंत्री मोदी की यह पहल एक सशक्त, आत्मनिर्भर और मानसिक रूप से मजबूत भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

काम व शरीर को ठीक करने हेतु शांति जरुरी

संजय गोस्वामी

आज मोबाइल के युग में मन में अशांति रहती है हमारी ऑखें प्रतिपल संसार में पूर्णता खोज रही हैं यही कारण है कि मन इतना अशांत रहता है, जब तक मन उस एक को नहीं पा लेगा जिसकी उम्मीद वो संसार से रखता है तब तक अशांति बनी रहेगी,अशांति तो मन में ही होती और उसी को जागरूक करना होता है और मन शांत हो जाए तो आन्तरिक शांति आ जाती है। फिर भी अशांत व्यक्ति के लिए कहने में तो यही आता है कि रेस्ट लेस बॉडी है। यह सही है क्योंकि राम का नाम को बोलने से हमारी स्टेटिक एनर्जी और डायनामिक एनर्जी दोनों सक्रिय होते हैं उसके पश्चात आप भगवान राम को जब जोड़ देते हैं तो आप अपनी ऊर्जा को स्टैटिक ऊर्जा की ओर एक प्रकार से बढ़ाने का प्रयास करते हैं जो स्थायित्व देता है। और ह्रदय में यह गूंज स्वाभाविक है। क्योंकि यह राम नाम का तरंग की ऊर्जा आपके पूरे शरीर को आंदोलन करती है और हमारा मस्तिष्क ध्यान करने पर अपनी सुग्रहता को बढ़ा देता है जिस कारण हमको यह गूंज वहां सुनाई देती है। इस मानव के शरीर में तो प्रभु राम ने बहुत कृपा की है। बॉडी के अंदर रिपेयर सिस्टम है साधारणतय यह कृपा बड़े बड़ों के ऊपर नहीं की जाती है। इसकी अनुभूति बार-बार होती है भगवान राम का ध्यान करने से अब चाहे कोई द्वैत बोले अद्वैत बोले कोई भी बोले वह सब तर्क वितर्क की बातें हैं लेकिन जहां अनुभूति की बात होती है बहुत से लोग मन की चाल बाजियां कह सकते हैं, कहते रहे लेकिन जो प्रभु राम की लीला की कृपा होती है उस पर मैं बार-बार बलिहारी होता हूं। जिस तरीके से प्रश्न को और जिज्ञासा को समझाया जाता है वह वैज्ञानिक आधार पर खराब उतरता है और स्वयं मुझे संतुष्ट करता है यह केवल और केवल प्रभु की कृपा ही है अब ज्ञानी जान भले ही कुछ भी भाषण देते रहे बोलते रहे समझाते रहे, चमत्कार दिखाते रहे लेकिन उनको समझने का मन नहीं करता है क्योंकि जब ईश्वर राम स्वयं समझाता है अंदर से बोली आती है तो मन धन्य हो जाता है। मन द्रवित हो जाता है प्रभु की कृपा देखकर जिस तरह के गुण संस्कार उसके उसके माता पिता समाज से मिलते हैं वह उसी गुण को धारण करता है और वही वर्ण बन जाता है संस्कृत धातु भज् (ड्ढद्धड्डद्ध) का मुख्य अर्थ सेवा करना, पूजा करना, आराधना करना या भक्ति करना है, जिससे भक्ति और भजन शब्द बने हैं।जो भी भगवान राम की भक्ति करता है उसमें सेवा का भाव आता है जो भक्ति का ही अंग है । सेवा एक बहुत सुंदर आराधना का रूप है । भजन जिसमें प्रभु राम का स्मरण करते हैं। सेवा कर्मों से प्रभु का स्मरण है । कौन हिस्सा होगा यह जिनकी योजना है वहीं चयन करते हैं। लीला रचाते हैं। हिस्सा बनना है तो उनकी (भगवान राम की) शरण में जाओ। प्रार्थना करो। शरणागति सुदृढ़ बनाओ। जीव दशा से मुक्त होने का प्रयास बढ़ाओ। हम सब हिस्सा ही हैं इस सृष्टि में जितने भी मनुष्य हैं सबको काम सौंपे हैं आप देख नहीं रहे किसान, मजदूर,पत्रकार ,शिक्षक सबको काम मिला है कि नहीं संसार का हिस्सा सब है। महाभारत में दुर्योधन आदि भी हिस्सा ही थे। लेकिन स्तर अलग अलग हो सकते हैं। भीड़ का हिस्सा मत बनो। भगवान राम के युग कार्य का हिस्सा बनो। उनके यंत्र बनो। : ईश्वर के यंत्र ही हम सब वो अलग बात है कि किसी को पता रहता है किसी को नहीं किसी पंखे को भान रहता है कि मुझे लाइट चला रही है और कोई समझता है मैं स्वयं चल रहा हूं विज्ञान की अपनी मर्यादा है विज्ञान पूछता है: 'यह कैसे होता है?' विज्ञान: जाँचता है, प्रयोग करता है और प्रमाण मांगता है। लेकिन विज्ञान यह नहीं बताता: जीवन का अंतिम अर्थ क्या है। सही-गलत कैसे तय करें। भगवान राम की साधना मर्यादा का पालन करना है साधना सिखाती है: 'मैं कौन हूँ? दुख क्यों है? शांति कैसे मिले?' लेकिन हर अनुभव हर व्यक्ति पर लागू नहीं होता। इसलिए आध्यात्म को 'फुल-प्रूफ विज्ञान' बनाकर बेचना गलत है। जब तक भगवान राम के अर्थ को हम समझ नहीं पाते तब तक हम मौन और शांत रूप प्राप्त नहीं होंगे तब तक में कोई भी चर्चा निरर्थक कहीं जा सकती है। राम को पाना ही यही जीवन का अंतिम लक्ष्य है।गौतम ऋषि की पत्नी को इंद्र के छ्ल के कारण गौतम ऋषि के श्राप से अहिल्या पत्थर बनी और भगवान राम के चरण स्पर्श से पुनः जीवित हो गई एक मात्र ईश्वर भगवान राम है जो यह बताता है कि भगवान राम जे चरण स्पर्श मात्र से पत्थर जो निर्जीव है वो भी सजीव हो जायेगा कठोर कठोर चीज भी चरण स्पर्श मात्र से पिघल कर राम के भक्ति में लीन हो जायेगा।

बौद्ध लेखों में कुंभ से लेकर ब्रह्माकुमारीज कुंभ संगोष्ठी तक !

डॉ श्रीगोपाल नारसन

हरिद्वार में होने जा रहे कुंभ 2027 की तैयारियां शुरू हो चुकी है।कुंभ मेलाधिकारी की नियुक्ति से लेकर कुंभ बजट पर भी चर्चा हो चुकी है।यह कुंभ आध्यात्म और रमणीकता का अनुपम उदाहरण बने इसके लिए ब्रह्माकुमारीज जैसी संस्थाओं ने विभिन्न संगोष्ठियों के माध्यम से कुंभ वातावरण निर्माण की पहल कर शुरू कर दी है।राजयोगिनी बीके मीना दीदी के संयोजन व राजयोगिनी बीके मंजू दीदी के मार्गदर्शन ने 8 फरवरी को कुंभ विचार गोष्ठी फिर से होने जा रही है,जिसमे संत, महात्मा, विद्वान अपनी भागीदारी निभा रहे है।कुंभ इतिहास पर दृष्टि डाले तो

600 ई पू के बौद्ध लेखों में नदी मेलों का उल्लेख मिलता है।400 ई पू के सम्राट चन्द्रगुप्त के दरबार में यूनानी दूत ने एक मेले को प्रतिवेदित किया ,ऐसा कहा जाता है। विभिन्न पुराणों और अन्य प्राचीन मौखिक परम्पराओं पर आधारित पाठों में पृथ्वी पर चार विभिन्न स्थानों पर अमृत गिरने का उल्लेख हुआ है।

महाकुम्भ मे अखाड़ो के स्नान का भी विशेष महत्वहै।सर्व प्रथम आगम अखाड़े की स्थापना हुई कालांतर मे विखंडन होकर अन्य अखाड़े बने। 547 ईसवी में अभान नामक सबसे प्रारम्भिक अखाड़े का लिखित प्रतिवेदन हुआ था।600 ईसवी में चीनी यात्री ह्यान-सेंग ने प्रयाग में सम्राट हर्ष द्वारा आयोजित महाकुम्भ में स्नान किया था।904 ईसवी मे निरन्जनी अखाड़े का गठन हुआ था जबकि 1146 ईसवी मे जूना अखाड़े का गठन हुआ। 1398 ईसवी मे तैमूर, हिन्दुओं के प्रति सुल्तान की सहिष्णुता के विरुद्ध दिल्ली को ध्वस्त करता है और फिर हरिद्वार मेले की ओर कूच करता है और हज़ारों श्रद्धालुओं का नरसंहार करता है। जिसके तहत 1398 ईसवी मे हरिद्वार महाकुम्भ नरसंहार को आज भी याद किया जाता है।1565 ईसवी मे मधुसूदन सरस्वती द्वारा दसनामी व्यवस्था की गई और लड़ाका इकाइयों का गठन किया गया । 1678 ईसवी मे प्रणामी संप्रदायके प्रवर्तक श्री प्राणनाथजी को विजयाभिनन्द बुद्ध निष्कलंक घोषित किया गया ।1684 ईसवी मे फ़्रांसीसी यात्री तवेर्निए नें भारत में 12 लाख हिन्दू साधुओं के होने का अनुमान लगाया था।1690 ईसवी मे नासिक में शैव और वैष्णव साम्प्रदायों में संघर्ष की कहानी आज भी रोंगटे खड़े करती है, जिसमे60 हजार लोग मरे थे।1760 ईसवी मे शैवों और वैष्णवों के बीच हरिद्वार मेलें में संघर्ष के तहत 18 सौ लोगो के मरने का इतिहास है।1780 ईसवी मे ब्रिटिशों द्वारा मठवासी समूहों के शाही स्नान के लिए व्यवस्था की स्थापना हुई।सन 1820 मे हरिद्वार मेले में हुई भगदड़ से 430 लोग मारे गए जबकि 1906 मे ब्रिटिश कलवारी ने साधुओं के बीच मेला में हुई लड़ाई में बीचबचाव किया ओर अनेको की जान बचाई।1954 मे चालीस लाख लोगों अर्थात भारत की उस समय की एक प्रतिशत जनसंख्या ने प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ में भागीदारी की थी।उस समय वहां हुई भगदड़ में कई सौ लोग मरे थे।सन1989 मे गिनिज बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने 6 फ़रवरी के प्रयागराज मेले में डेढ़ करोड़ लोगों की मौजूदगी प्रमाणित की थी, जो कि उस समय तक किसी एक उद्देश्य के लिए एकत्रित लोगों की सबसे बड़ी भीड़ थी।जबकि सन 1995 मे इलाहाबाद के 'अर्धकुम्भ' के दौरान 30 जनवरी के स्नान दिवस में 2 करोड़ लोगों की उपस्थिति बताई गई थी।सन 1998 मे हरिद्वार महाकुम्भ में 5 करोड़ से अधिक श्रद्धालु चार महीनों के दौरान पधारे थे। उसके बाद 14 अप्रैल के दिन एक करोड़ लोगो की उपस्थिति ने सबको चौंका दिया था ।सन 2001मे इलाहाबाद के मेले में छः सप्ताहों के दौरान 7 करोड़ श्रद्धालु आने का दावा किया गया था। 24 जनवरी 2001 के दिन 3 करोड़ लोग के महाकुंभ में पहुंचने की बात की गई थी।सन 2003 मे नासिक मेले में मुख्य स्नान दिवस पर 60 लाख लोगो की उपस्थिति महाकुम्भ के प्रति व्यापक जनआस्था का प्रमाण है। महाकुंभ में अलौकिकता का बोध लौकिक सुंदरता को देखकर सहज ही हो जाता है।प्रयागराज, हरिद्वार,उज्जैन और नासिक में जब भी महाकुम्भ या कुंभ होता है, श्रद्धालु बड़ी संख्या कुंभ स्नान करते हैं। इन पांचो मे से प्रत्येक स्थान पर प्रति बारहवें वर्ष महाकुम्भ का आयोजन होता है। हरिद्वार और प्रयागराज में दो महाकुंभ पर्वो के बीच छह वर्ष के अंतराल में अर्धकुंभ भी होता है।यह महाकुम्भ मेला मकर संक्रांति के दिन प्रारम्भ होता है।क्योंकि उस समय सूर्य और चन्द्रमा, वृश्चिक राशी में और वृहस्पति, मेष राशी में प्रवेश करते हैं। मकर संक्रांति के इस योग को महाकुम्भ स्नान-योग भी कहते हैं और इस दिन को विशेष मंगलिक पर्व माना जाता है। कहा जाता है कि पृथ्वी से उच्च लोकों के द्वार इस दिन ही खुलते हैं और इस प्रकार इस दिन स्नान करने से आत्मा को उच्च लोकों की प्राप्ति सहजता से हो जाती है।

महाकुंभ के आयोजन को लेकर कई पौराणिक कथाएँ प्रचलित हैं। जिनमें से सर्वाधिक मान्य कथा देव-दानवों द्वारा समुद्र मंथन से प्राप्त अमृत कुंभ से अमृत बूँदें गिरने को लेकर है। इस कथा के अनुसार महर्षि दुर्वासा के शाप के कारण जब इंद्र और अन्य देवता कमजोर हो गए तो दैत्यों ने देवताओं पर आक्रमण कर उन्हें परास्त कर दिया। तब सब देवता मिलकर भगवान विष्णु के पास गए और उन्हे सारा वृतान्त सुनाया। तब भगवान विष्णु ने उन्हे दैत्यों के साथ मिलकर क्षीरसागर का मंथन करके अमृत निकालने की सलाह दी। भगवान विष्णु के ऐसा कहने पर संपूर्ण देवता दैत्यों के साथ संधि करके अमृत निकालने के यत्न में लग गए। अमृत कुंभ के निकलते ही देवताओं के इशारे से इंद्रपुत्र जयंत अमृत-कलश को लेकर आकाश में उड़ गया। उसके बाद दैत्यगुरु शुक्राचार्य के निर्देश पर दैत्यों ने अमृत को वापस लेने के लिए जयंत का पीछा किया और घोर परिश्रम के बाद उन्होंने बीच रास्ते में ही जयंत को पकड़ लिया। तत्पश्चात अमृत कलश पर अधिकार जमाने के लिए देव-दानवों में बारह दिन तक अविराम युद्ध होता रहा।इस परस्पर मारकाट के दौरान पृथ्वी के चार स्थानों प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन, नासिक पर कलश से छलक कर अमृत बूँदें गिरी थीं। उस समय चंद्रमा ने घट से प्रस्रवण होने से, सूर्य ने घट फूटने से, गुरु ने दैत्यों के अपहरण से एवं शनि ने देवेन्द्र के भय से घट की रक्षा की। कलह शांत करने के लिए भगवान ने मोहिनी रूप धारण कर यथाधिकार सबको अमृत बाँटकर पिला दिया। इस प्रकार देव-दानव युद्ध का अंत किया गया।चूंकि अमृत प्राप्ति के लिए देव-दानवों में परस्पर बारह दिन तक निरंतर युद्ध हुआ था। देवताओं के बारह दिन मनुष्यों के बारह वर्ष के तुल्य होते हैं। इस कारण कुंभ भी बारह होते हैं। उनमें से चार कुंभ पृथ्वी पर होते हैं और शेष आठ कुंभ देवलोक में होते हैं, जिन्हें देवगण ही प्राप्त कर सकते हैं, मनुष्यों की वहाँ पहुँच नहीं है,ऐसा माना जाता है।जिस समय में चंद्रादिकों ने कलश की रक्षा की थी, उस समय की राशियों पर रक्षा करने वाले चंद्र-सूर्यादिक ग्रह जब आते हैं, उस समय महाकुंभ का योग होता है अर्थात जिस वर्ष, जिस राशि पर सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति का संयोग होता है, उसी वर्ष, उसी राशि के योग में, जहाँ-जहाँ अमृत बूँद गिरी थी, वहाँ-वहाँ महाकुंभ होता है।इसी कुंभ 2027 में आस्था की डुबकी सकुशल दुनियाभर के लोग लगाए, इसी के लिए स्वेत वस्त्रो में ब्रह्माकुमारीज़ भाई बहने राजयोग का ईश्वरीय ज्ञान भी संगोष्ठियों के माध्यम से बांट रही है।

(लेखक विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ के उपकुलपति व वरिष्ठ साहित्यकार है)

राष्ट्रीय सुरक्षा और राहुल गांधी की राजनीतिक अपरिपक्वता

ललित गर्ग

नीति-निर्माण, राष्ट्रीय सुरक्षा और संसदीय विमर्श जैसे गंभीर विषय किसी भी लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं। संसद केवल सत्ता और विपक्ष के टकराव का मंच नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सामूहिक विवेक और जिम्मेदार अभिव्यक्ति का सर्वोच्च स्थल है। ऐसे में जब राष्ट्रपति के अभिभाषण जैसे संवैधानिक और गरिमामय अवसर पर चर्चा चल रही हो, तब किसी भी नेता से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वह शब्दों, संदर्भों और समय-तीनों के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरते। हालिया घटनाक्रम में लोकसभा में प्रतिनक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के कुछ अंशों का हवाला देकर चीनी सेना की कथित घुसपैठ को लेकर जो बयान दिया गया, उसने इसी अपेक्षा पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए। सरकार का आरोप रहा कि इस बयान ने लोकसभा को गुमराह करने का प्रयास किया, जबकि विपक्ष ने इसे सच दबाने की कोशिश बताकर पलटवार किया। परिणाम यह हुआ कि संसद की कार्यवाही बाधित हुई, तीखी बहस ने पूरे दिन का सत्र स्थगित करा दिया और राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र मूल मुद्दों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप बन गया।

यह प्रश्न केवल एक वक्तव्य का नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता, जिम्मेदारी और राष्ट्रीय हित की समझ का है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सार्वजनिक वक्तव्यों में संवेदनशीलता अनिवार्य होती है। सीमाओं से जुड़े तथ्य, सैन्य तैनाती, रणनीतिक आकलन-ये सब ऐसे विषय हैं जिन पर आधे-अधूरे संदर्भ या चयनित उद्धरण अनावश्यक भ्रम पैदा कर सकते हैं। यही कारण है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने इसे संसदीय नियमों के उल्लंघन और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ बताया। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा व्यवस्था देने के बावजूद यदि किसी नेता का अपने वक्तव्य पर अड़े रहना कार्यवाही को ठप कर दे, तो सवाल उठता है कि क्या उद्देश्य सच सामने लाना था या राजनीतिक लाभ साधना। विपक्ष का दायित्व सत्ता से सवाल करना है, यह लोकतंत्र का प्राण है। किंतु सवालों की भाषा, मंच और समय-तीनों लोकतांत्रिक मर्यादाओं से बंधे होते हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का समय सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और भविष्य की दिशा पर समग्र विमर्श का होता है। उस दौरान सैन्य पुस्तकों के चयनित अंशों को राजनीतिक हथियार बनाना, वह भी बिना समुचित संदर्भ और संस्थागत प्रक्रिया के, स्वाभाविक रूप से विवाद को जन्म देता है। विपक्ष का यह कहना कि सरकार असहज प्रश्नों को दबाना चाहती है, एक परिचित एवं बेतूका राजनीतिक तर्क है; परंतु सरकार का यह कहना कि राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीतिक रंग देना अनुचित है, उतना ही वजनदार प्रतिवाद है। दोनों पक्षों के बीच संतुलन वहीं संभव है, जहां तथ्य, प्रक्रिया और समय का सम्मान हो।

संसद के भीतर अप्रकाशित 'संस्मरण' के जिक्र पर विवाद होना स्वाभाविक है। क्योंकि संसदीय परंपराओं और स्थापित नियमों के अनुसार किसी भी सदस्य द्वारा संसद के पटल पर ऐसी प्रकाशित या अप्रकाशित पुस्तक, लेख या पत्रिका की सामग्री को प्रमाण के रूप में उद्धृत करना स्वीकार्य नहीं है, जिसे सदन के समक्ष औपचारिक रूप से प्रस्तुत (टेबल) न किया गया हो। विशेष रूप से ऐसी पुस्तकों या लेखों के अंश, जिनकी न तो संसदीय सत्यापन प्रक्रिया हुई हो और न ही जिन्हें सदन की अनुमति से अभिलेखित किया गया हो, उन्हें तथ्यात्मक प्रमाण मानना संसदीय मर्यादा के विरुद्ध है। इस दृष्टि से राहुल गांधी द्वारा किसी अप्रकाशित पुस्तक के अंशों को सीधे उद्धृत कर उन्हें नीतिगत या राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर अंतिम सत्य के रूप में प्रस्तुत करना न केवल संसदीय नियमों की अवहेलना है, बल्कि इससे सदन की गरिमा और कार्यवाही की विश्वसनीयता भी आहत होती है।

राहुल गांधी केवल कांग्रेस के नेता ही नहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। कम से कम राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में तो उन्हें भारतीय सेनाओं के नैरेटिव के साथ खड़े होना चाहिए। दुर्भाग्य से वे ऐसा नहीं करते। वे चीन और पाकिस्तान को लेकर मोदी सरकार को तो घेरते हैं, लेकिन यह स्मरण नहीं रखते कि इन दोनों देशों ने भारतीय भूभाग पर तब अतिक्रमण किया, जब कांग्रेस सत्ता में थी। गलवान में चीनी सेना के साथ खूनी टकराव के मामले में तत्कालीन सेनाध्यक्ष की अप्रकाशित पुस्तक के कथित अंश का जैसा उल्लेख राहुल गांधी ने किया, उस पर हंगामा होना ही था। आखिर जो पुस्तक प्रकाशित ही नहीं हुई, उसका उल्लेख राहुल कैसे कर सकते हैं?

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कौशल विकास और फॉरवर्ड लिंकेज पर की समीक्षा बैठक

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में सचिवालय सभागार में कौशल विकास योजनाओं की प्रगति तथा प्रशिक्षित युवाओं को फॉरवर्ड लिंकेज के माध्यम से रोजगार से जोड़ने को लेकर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अब तक के प्रयासों की समीक्षा करते हुए कौशल प्रशिक्षण और वास्तविक रोजगार के बीच मौजूद अंतर को पाटने पर गंभीर मंथन किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि राज्य में आईटीआई और तकनीकी संस्थानों की संख्या तथा प्रशिक्षित युवाओं में वृद्धि के बावजूद उद्योगों में अपेक्षित प्लेसमेंट और संतोषजनक वेतन नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने इसे समन्वय, प्रबंधन और प्लेटफार्म स्तर पर कमी का परिणाम बताते हुए संबंधित विभागों को तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

कुशल श्रमिकों की कमी और बेरोजगारी का विरोधाभास दूर करने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक ओर नाई, प्लंबर, इलेक्ट्रीशियन, मिस्त्री, कारपेंटर जैसे कार्यों के लिए कुशल श्रमिक उपलब्ध नहीं हो पाते, जबकि दूसरी ओर आईटीआई से प्रशिक्षित अनेक युवा रोजगार की तलाश में हैं। उन्होंने तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, श्रम एवं अन्य संबंधित विभागों के बेहतर समन्वय से इस विरोधाभास को दूर करने पर जोर दिया।

स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ स्मार्ट मानव संसाधन पर बल

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि केवल स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर ही नहीं, बल्कि स्मार्ट मानव संसाधन तैयार करना भी सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने उद्योगों और भविष्य की तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम विकसित करने, प्रशिक्षित प्रशिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा आईटीआई और तकनीकी संस्थानों को आधुनिक बनाने के निर्देश दिए।

तीन स्तर की वर्कफोर्स और स्थानीय रोजगार मॉडल पर जोर

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने निर्देश दिए कि स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बेसिक स्किल वर्कर, मीडियम तकनीक आधारित वर्कफोर्स और उच्च कुशल तकनीकी वर्कफोर्स तैयार करने का एक समेकित मॉडल विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि यह मॉडल विकसित भारत ञ2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक होगा।

ट्रेनिंग के साथ रोजगार सुनिश्चित करने के निर्देश

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि प्रशिक्षण के लिए चयन होते ही युवाओं को रोजगार प्रदाता संस्थानों से टैग किया जाए, जिससे प्रशिक्षण के दौरान ही जॉब सिक्योरिटी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने तकनीकी पाठ्यक्रमों की समय-समय पर समीक्षा करने तथा अल्पकालिक, मध्यावधि और दीर्घकालिक तीनों स्तरों पर परिणाम सुनिश्चित करने पर बल दिया। बैठक में विदेशों में रोजगार या स्वरोजगार के लिए चयनित युवाओं को संबंधित देशों की आवश्यकताओं के अनुरूप केंद्र सरकार की गाइडलाइंस साझा करने के निर्देश दिए गए, ताकि वे वहां आसानी से स्वयं को अनुकूलित कर सकें। साथ ही सरकारी भर्ती प्रक्रियाओं में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने और न्यायालय में लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण पर भी जोर दिया गया।

उद्योग सहभागिता और एकीकृत प्लेटफार्म की जरूरत

कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने उद्योगों को प्रशिक्षण प्रक्रिया में सहभागी बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि उद्योगों की भागीदारी से मांग आधारित कौशल विकसित होंगे और युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर मिलेंगे। मुख्य सचिव आनंद बर्धन ने सभी संबंधित विभागों को एक साझा प्लेटफार्म पर आकर रोजगार और कौशल से जुड़े कार्यों को गति देने के निर्देश दिए। सचिव कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग सी. रविशंकर ने विभागीय प्रयासों, स्थानीय से लेकर ओवरसीज प्लेसमेंट तक की रणनीति पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। बैठक में प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव दिलीप जावलकर, रंजीत सिन्हा, रविनाथ रामन, विनय शंकर पांडेय, दीपेंद्र चौधरी, डी.एस. गब्रियाल, हॉफ वन विभाग रंजन मिश्रा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने घायलों का जाना हाल और निशुल्क उपचार का दिया भरोसा

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कालसी क्षेत्र अंतर्गत क्वानू-मीनस मोटर मार्ग पर हिमाचल परिवहन निगम की बस दुर्घटना में घायल हुए हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड के यात्रियों का हाल-चाल जानने के लिए राजकीय दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल का दौरा किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने दुर्घटना में दिवंगत हुए लोगों के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने अस्पताल में भर्ती घायलों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा चिकित्सकों से उपचार की स्थिति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने चिकित्सकीय टीम को सभी घायलों को सर्वोत्तम एवं त्वरित उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने घायलों के परिजनों से भी बातचीत कर उन्हें विश्वास दिलाया कि राज्य सरकार द्वारा उपचार में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी तथा सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने विकासनगर के उप जिला चिकित्साधिकारी से दूरभाष पर विकासनगर में उपचाराधीन दुर्घटना के घायलों को भी समुचित एवं संवेदनशील चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने हिमाचल प्रदेश सरकार को भी आश्वस्त किया कि उत्तराखंड में उपचाराधीन हिमाचल के सभी घायल यात्रियों का समुचित एवं निःशुल्क उपचार राज्य सरकार द्वारा सुनिश्चित किया जा रहा है।

एक नजर

हरिद्वार पुलिस में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 15 निरीक्षक व उपनिरीक्षकों के तबादले

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल द्वारा जनपद में प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से बड़ा फेरबदल किया गया है। आदेश के तहत 15 निरीक्षक एवं उपनिरीक्षक (ना0पु0) को तत्काल प्रभाव से उनके वर्तमान तैनाती स्थल से नवीन तैनाती स्थानों पर स्थानान्तरित किया गया है।

जारी आदेश के अनुसार पुलिस लाईन में तैनात निरीक्षक प्रवीण कोश्यारी को प्रभारी निरीक्षक कोतवाली लक्सर बनाया गया है, जबकि प्रभारी निरीक्षक कोतवाली लक्सर में तैनात निरीक्षक राजीव रौथाण को प्रभारी निरीक्षक कोतवाली भगवानपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी क्रम में एस0आई0एस0 शाखा, पुलिस कार्यालय में कार्यरत निरीक्षक मणी भूषण श्रीवास्तव को प्रभारी निरीक्षक कोतवाली गंगनहर तथा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली गंगनहर के निरीक्षक मनोहर भण्डारी को प्रभारी निरीक्षक थाना श्यामपुर स्थानान्तरित किया गया है।

प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रानीपुर में तैनात निरीक्षक शांति कुमार को एस0आई0एस0 शाखा, पुलिस कार्यालय भेजा गया है, वहीं प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रुड़की के निरीक्षक मनीष उपाध्याय को वाचक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय हरिद्वार बनाया गया है। प्रभारी सी0आई0यू0 रुड़की के निरीक्षक प्रदीप बिष्ट को प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रुड़की की जिम्मेदारी दी गई है।

इसी तरह वाचक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय हरिद्वार में तैनात निरीक्षक देवेन्द्र सिंह रावत को प्रभारी निरीक्षक थाना कनखल तथा थानाध्यक्ष श्यामपुर के उपनिरीक्षक मनोज शर्मा को पुलिस कार्यालय भेजा गया है। पी0आर0ओ0, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय हरिद्वार में तैनात निरीक्षक दिग्पाल कोहली को प्रभारी निरीक्षक थाना खानपुर नियुक्त किया गया है।

थानाध्यक्ष खानपुर के उपनिरीक्षक धर्मेन्द्र राठी को एस0आई0एस0 शाखा, पुलिस कार्यालय, जबकि प्रभारी सी0सी0टी0एन0एस0/ट्रांसजेंडर सैल/ए0एच0टी0यू0/ए0एन0टी0एफ0 में तैनात निरीक्षक विजय सिंह को प्रभारी निरीक्षक थाना बहादराबाद बनाया गया है। प्रभारी निरीक्षक थाना बहादराबाद के उपनिरीक्षक अंकुर शर्मा को वरिष्ठ उपनिरीक्षक थाना भगवानपुर तथा थानाध्यक्ष कनखल के उपनिरीक्षक मनोहर सिंह रावत को एस0आई0एस0 शाखा, पुलिस कार्यालय भेजा गया है।

इसके अतिरिक्त फाइनेंशियल इन्वेस्टिगेशन एंड क्राइम सेल में तैनात निरीक्षक आशुतोष राणा को प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रानीपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आदेश में सभी स्थानान्तरित निरीक्षक एवं उपनिरीक्षकों को निर्देशित किया गया है कि वे तत्काल अपनी नवीन तैनाती पर कार्यभार ग्रहण कर अनुपालन आख्या इस कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। पुलिस विभाग के इस प्रशासनिक कदम को कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

युवती से इलाज के दौरान छेड़छाड़ करने वाला डॉक्टर निकला फर्जी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

इलाज के दौरान युवती के साथ छेड़छाड़ और अश्लील हरकत करने वाले आरोपी डॉक्टर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जांच में पता चला कि आरोपी फर्जी डॉक्टर है। मर्यादा लांघने वाले आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा गया। आरोपी के खिलाफ पीड़िता के पिता ने शिकायत की थी।

पुलिस के मुताबिक कोतवाली मंगलौर क्षेत्र के अंतर्गत एक ऐसा मामला प्रकाश में आया था जहाँ एक डॉक्टर द्वारा इलाज के नाम पर मर्यादाओं को ताक पर रखकर महिला के साथ अभद्रता की गई। मंगलौर निवासी वादी द्वारा कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई गई थी कि डॉ. रिजवान ने उनकी पुत्री के उपचार के दौरान छेड़खानी की। इस गंभीर शिकायत पर तत्काल संज्ञान लेते हुए कोतवाली मंगलौर पुलिस द्वारा सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया। मामले की गंभीरता को देखते

हुए पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही की गई। आरोपी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता के अनुसार, डॉक्टर ने उसके परिजनों को बाहर भेजकर उसके साथ शर्मनाक हरकत की। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया, जिसके बाद आरोपी डॉक्टर और उसका स्टाफ अस्पताल बंद कर फरार हो गया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी डॉक्टर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

सरकार जिस किताब के लिए कहती है कि छपी ही नहीं ,वही पुस्तक मैं मोदी जी को भेंट करूंगा : राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि जिस पुस्तक के उद्धरण बोलने से उन्हें यह कहते हुए संसद में रोका जा रहा है कि यह पुस्तक छपी ही नहीं है, तो आज यह पुस्तक उनके हाथ में है और इसे वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेंट करना चाहेंगे। गांधी ने संसद भवन परिसर में लोकसभा से निलंबित आठ कांग्रेस सांसदों के संसद भवन के मकर द्वार पर धरने पर बैठने के बाद बुधवार को पत्रकारों से कहा कि जिस पुस्तक में लिखे अंशों का वह लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान जिक्र करना चाहते हैं, सरकार की तरफ से कहा जा रहा है कि ये तथ्य अप्रमाणिक हैं और पुस्तक प्रकाशित

ही नहीं हुई है। उन्होंने पत्रकारों को पुस्तक की प्रति दिखाते हुए सवाल किया कि किस आधार पर सरकार के वरिष्ठ मंत्री कह रहे हैं कि पुस्तक छपी ही नहीं है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर भी इसे लेकर एक पोस्ट में कहा 'आज अगर प्रधानमंत्री संसद में आते हैं, तो मैं उन्हें एक किताब भेंट करूंगा। यह किताब किसी विपक्षी नेता की नहीं है। यह किताब किसी विदेशी लेखक की नहीं है। यह किताब है देश के पूर्व सेना प्रमुख जनरल नरवणे की -और हैरानी की बात यह है कि यह किताब कैबिनेट मंत्रियों के हिसाब से मौजूद ही नहीं है। गांधी ने कहा कि इस किताब में साफ़ लिखा है कि जब चीनी सेना हमारी सीमा में घुस आई थी, ऐसी नाज़ुक घड़ी में सेना प्रमुख को इंतजार करवाया। और जब निर्णय लेने का वक़्त आया, तो प्रधानमंत्री ने बस इतना कहा - 'जो आपको उचित लगे, वो कीजिए। 'यानी देश की सुरक्षा के सबसे गंभीर संकट में, श्री मोदी जी ने राजनीतिक ज़िम्मेदारी से हाथ खड़े कर लिए।

समग्र शिक्षा के अंतर्गत आयोजित 'सपनों की उड़ान' में बच्चों को मिला मंच

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी।

समग्र शिक्षा के अंतर्गत जनपद स्तरीय 'सपनों की उड़ान' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि गंगोत्री विधानसभा के विधायक सुरेश चौहान ने दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर विधायक सुरेश चौहान ने कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित विभिन्न गतिविधियों की सराहना करते हुए छात्र-छात्राओं को प्रेरणादायी आशीर्वचन प्रदान किया। कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाधिकारी प्रशांत आर्य उपस्थित रहे। उन्होंने विभिन्न विकासखण्डों द्वारा लगाए गए स्टॉल एवं शैक्षिक प्रदर्शनी का निरीक्षण किया तथा विद्यार्थियों द्वारा किए गए नवाचारों और प्रस्तुतियों की सराहना की। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन तभी संभव है जब विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षक और समाज मिलकर एकजुट होकर कार्य करें। उन्होंने बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। जिलाधिकारी ने छात्र-छात्राओं को लक्ष्य ऊंचा रखने और कड़ी

मेहनत करने के लिए प्रेरित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं तथा जीवन में निरंतर आगे बढ़ने का मार्गदर्शन प्रदान किया।

लोकसंस्कृति, प्रतिभा और ज्ञान का अनूठा संगम

जनपदीय 'सपनों की उड़ान' कार्यक्रम के अंतर्गत पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ लोकनृत्य, लोकगीत, रैम्प वॉक, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, शैक्षिक प्रदर्शनी एवं विभिन्न स्टॉलों का आयोजन किया गया। इसमें जनपद के छह विकासखण्डों के राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर के छात्र-छात्राओं के साथ अभिभावकों एवं महिला प्रेरक समूह के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्य

'सपनों की उड़ान' कार्यक्रम का आयोजन निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ किया गया– विद्यालय प्रबंधन में अभिभावकों, शिक्षकों एवं समुदाय की भागीदारी को बढ़ावा देना। समुदाय को शिक्षा का अधिकार अधिनियम के प्रति जागरूक करना। बच्चों की सृजनशीलता एवं प्रतिभा का विकास करना। विद्यालय विकास के लिए समुदाय में अपनत्व की भावना विकसित करना। समग्र शिक्षा के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों के प्रति जनजागरूकता बढ़ना।

प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

कार्यक्रम के समापन अवसर पर अति विशिष्ट अतिथि अध्यक्ष नगर पालिका भूपेन्द्र चौहान द्वारा समस्त प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। पुरस्कार वितरण समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य दीपेन्द्र कोहली भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आयोजक मुख्य शिक्षा अधिकारी एवं जिला परियोजना अधिकारी अमित कोटियाल, जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) शैलेन्द्र अमोली, सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी वृन्दावन कुमार सहित समग्र शिक्षा एवं पीएम पोषण योजना से जुड़े कार्मिक, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, जनपद उत्तरकाशी के शिक्षक संघों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

7 फरवरी को जनपद में चलेगा मेगा सफाई अभियान, डीएम ने की उच्चस्तरीय बैठक

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

तीर्थ नगरी हरिद्वार को साफ स्वच्छ जनपद बनाने के लिए अगामी 7 फरवरी को जनपद में मेगा सफाई अभियान चलाया जाएगा। एक दिन एक घंटा एक साथ इस मेगा सफाई अभियान की सफलता के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जिला कार्यालय सभागार में जिलास्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक की।

बैठक में जिलाधिकारी ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए है कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए सभी अधिकारी अपने अपने क्षेत्रों,कार्य स्थलों उनके अधीन संचालित हो रहे संस्थानों में विशेष मेगा स्वच्छता अभियान चलाए। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश है कि जनपद की सभी 318 ग्राम पंचायतों में ग्राम प्रधानों, जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्रवासियों के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाया जाए। उन्होंने नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायतों के

अधिकारियों को निर्देश दिए है कि सभी अपने अपने क्षेत्रों में सामाजिक संगठनों, व्यापार मंडल,जनप्रतिनिधियों एवं धार्मिक संस्थानों के सहयोग से मेगा स्वच्छ अभियान चलाया जाए। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी, उप जिलाधिकारियों, खंड विकास अधिकारियों, महिला मंगल दलों, युवक मंगल दलों, स्वयंसेवी संस्थाओं आदि का इस मेगा सफाई अभियान में सहयोग लिया जाए ताकि मुख्यमंत्री का हरिद्वार जनपद को साफ स्वच्छ जनपद बनाने का जो सपना है वो साकार हो सके तथा देश में स्वच्छ जनपद में हरिद्वार अपनी अलग पहचान बना सके। उन्होंने सभी जनपद वासियों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों, व्यापार मंडल एवं गैर स्वयं सेवी संस्थानों से 7 फरवरी को चलाए जाने वाले मेगा सफाई अभियान में पूर्ण सहयोग देने की अपील की।

बैठक में मुख्य नगर आयुक्त हरिद्वार नंदन कुमार, मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्र, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रुड़की दीपक रामचंद सेठ, मुख्य नगर आयुक्त रुड़की राकेश चंद्र तिवारी, उप जिलाधिकारी रुड़की अनिल कुमार शुक्ला, उप जिलाधिकारी भगवानपुर देवेंद्र सिंह नेगी, उप जिलाधिकारी लक्सर सौरभ असवाल, जिला विकास अधिकारी वेदप्रकाश, सहायक परियोजना निर्देशक नलिनीत घिल्डियाल, जिला पंचायत राज अधिकारी अतुल प्रताप सिंह, नोडल स्वजल चंद्रकांत मणि त्रिपाठी, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत सहित खंड विकास अधिकारी, नगर पालिका,नगर पंचायत के अधिकारी, जिलास्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

बिनारसी प्रकरण में पुलिस का एक्शन, दोनों पक्षों के 11 आरोपी गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। बिनारसी गांव में संत रविदास जयंती के दिन हुए खूनी संघर्ष की घटना में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल के निर्देश पर भगवानपुर पुलिस ने दोनों पक्षों के 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। बीती एक फरवरी को गांव में एक ही समुदाय के दो पक्षों में विवाद हुआ था। पुलिस का कहना है कि युवती से संबंधों को लेकर शुरू हुआ था पूरा विवाद। विवाद के बाद एक की गोली लगने से जबकि दूसरे की पिटाई की वजह से मौत हुई थी। पुलिस के मुताबिक बीती 1 फरवरी को रविदास जयंती शोभायात्रा सकुशल संपन्न होने के उपरान्त शाम को समय करीब 5 बजे पुरानी रंजिश को लेकर आरोपित विशाल द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर गाँव के ही युवक आनंद की गोली मरकर हत्या कर दी थी। तत्पश्चात मृतक आनंद के परिजनों आदि द्वारा आक्रोशित होकर विशाल पक्ष के मांगेराम की लाठी डंडों से पीटकर हत्या कर दी गयी थी तथा विशाल पक्ष के घरों में आगजनी व तोडफोड़ कर शान्ति व्यवस्था भंग की गयी। दोनों पक्षों की तहरीर पर थाना भगवानपुर पर सम्बंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कए गए। मृतक मांगेराम के पुत्र जोनी की तहरीर पर अनुज आदि के विरुद्ध तथा मृतक आनंद के पिता लक्ष्मीचंद की तहरीर पर विशाल आदि के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया। प्रकरण की संवेदनशीलता को देखते हुए एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल द्वारा शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए गांव में फोर्स तैनात करते हुए कुछ पुलिस कर्मियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की। साथ की टीम का गठन करते हुए आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए गए। गठित पुलिस टीम द्वारा अलग-अलग स्थानों से दोनों अभियोगों से सम्बंधित 11 वांछित को गिरफ्तार किया गया तथा आरोपित की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त अवैध तमंचा व कारतूस को बरामद किया गया। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में पता चला कि आरोपी विशाल को शक था की मृतक आनन्द के सम्बन्ध उसकी बहन के साथ है, जिस कारण उसने अपने अन्य परिजन व साथियों के साथ मिलकर आनंद की गोली मारकर हत्या कर दी।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने किया राजकीय पुस्तकालय का निरीक्षण, पाठकों से किया संवाद

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने राजकीय पुस्तकालय का भ्रमण कर पुस्तकालय की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे पाठकों एवं विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं को लेकर उनका फीडबैक लिया और आवश्यक सुधारों के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने कहा कि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण एवं अनुकूल अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने बताया कि बीते समय में पुस्तकालय की सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं, जिससे विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए बेहतर वातावरण मिल सके। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने बताया कि राजकीय पुस्तकालय में विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वाई-फाई सुविधा, हीटर, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ शौचालय एवं बैठने की समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। इसके अतिरिक्त, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों की आवश्यकता को देखते हुए पुस्तकालय के संचालन समय में भी वृद्धि की गई है, जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हो सकें। भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने विभिन्न सरकारी

सेवाओं में चयनित युवाओं से भी मुलाकात की। उन्होंने चयनित युवाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे अपने अध्ययन को निरंतर जारी रखें और उच्च पदों के लिए लक्ष्य निर्धारित कर तैयारी करते रहें। जिलाधिकारी ने चयनित युवाओं को अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए उनकी सराहना की और पुस्तकालय में अध्ययनरत अन्य छात्रों का भी मनोबल बढ़ाया।

प्रशासन करेगा हरसंभव सहयोग : जिलाधिकारी

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने विद्यार्थियों को आश्वस्त किया कि उनके अध्ययन एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए जिला प्रशासन द्वारा अपने स्तर से हरसंभव सहयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि छात्रों के सुझावों और फीडबैक के आधार पर पुस्तकालय की सुविधाओं को और बेहतर बनाया जाएगा।

पाठकों ने जताया आभार

पुस्तकालय में अध्ययनरत पाठकों एवं विद्यार्थियों ने सुविधाओं के विस्तार एवं प्रशासन की पहल के लिए जिलाधिकारी का आभार व्यक्त किया और इसे युवाओं के भविष्य निर्माण की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया।

इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी (बेसिक) रवि मेहता, अधिशासी अभियंता ग्रामीण निर्माण विभाग आर. चंद्रा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम स्वाति एस भदौरिया की सख्त चेतावनी, संतोषजनक प्रगति न होने पर रूकेगा फरवरी माह का वेतन

पथ प्रवाह, पौड़ी। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने कलक्ट्रेट सभागार में जिला योजना के अंतर्गत अपेक्षाकृत कम प्रगति वाले 17 विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित कर विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि 15 फरवरी तक कार्यों में संतोषजनक प्रगति सुनिश्चित की जाए, अन्यथा संबंधित अधिकारियों के माह फरवरी का वेतन आहरित नहीं किया जाएगा। बुधवार को आयोजित जिला योजना प्रगति समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिला योजना के सभी कार्य गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समन्वय के साथ समयबद्ध रूप से पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में जवाबदेही एवं

नियमित मॉनिटरिंग अत्यंत आवश्यक है, जिससे जनहित से जुड़े कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरे हो सकें। कोषागार स्तर पर किसी भी बीजक का भुगतान लंबित न रहे, इसके लिए उन्होंने मुख्य कोषाधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को निरंतर अनुवर्ती कार्रवाई (फॉलोअप) करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि वित्तीय प्रगति और भौतिक प्रगति में संतुलन बनाए रखते हुए कार्यों को गति प्रदान की जाए। जिलाधिकारी ने जल निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि चालू वित्तीय वर्ष में जिला योजना से संचालित निर्माण कार्यों की भौतिक प्रगति से संबंधित अद्यतन फोटोग्राफ एवं मापन पंजिका (एम.बी.) 15 फरवरी तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, ताकि कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का प्रभावी मूल्यांकन किया जा सके। मुख्य पशुचिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया कि विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत विभाग को प्राप्त सभी पात्र आवेदकों को इसी माह शत-प्रतिशत लाभान्वित किया जाए तथा क्षेत्रीय चिकित्सालयों को भेजी जाने वाली दवाओं की आपूर्ति एवं वितरण की समस्त प्रक्रिया इसी माह में पूर्ण की जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी राम सलोने, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ. विशाल शर्मा, अधिशासी अभियंता लोनिवि निर्भय सिंह व रीना नेगी, अधिशासी अभियंता जल निगम नवनीत कटारिया, अभिषेक मिश्रा व अजय बेलवाल, जिला समाज कल्याण अधिकारी रोहित सिंह, एसडीओ वन विभाग आईशा बिष्ट, एडीपीआरओ प्रदीप सुदरियाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

हिन्दू राष्ट्र से हिन्दू राज्य की ओर बढ़ना समय की आवश्यकता: डॉ पवन सिन्हा 'गुरुजी'

पथ प्रवाह, मुरादाबाद।

लाजपत नगर में आयोजित भव्य हिन्दू सम्मेलन में डॉ पवन सिन्हा 'गुरुजी' का आगमन श्रद्धा और उत्साह के साथ हुआ। सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने सांस्कृतिक उत्थान, सनातन चेतना और राष्ट्र के वैचारिक पुनर्जागरण पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ पवन सिन्हा ने कहा कि अब समय आ गया है जब भारत को केवल हिन्दू राष्ट्र के विचार तक सीमित न रखते हुए, उसे व्यवहारिक रूप से हिन्दू राज्य के स्वरूप में विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ना होगा।

अपने उद्बोधन में डॉ पवन सिन्हा उन्होंने भारतीय संस्कृति के प्रतीक भगवा रंग की महत्ता का उल्लेख करते हुए उसकी तुलना सूर्य

की लालिमा से की। उन्होंने कहा कि भगवा त्याग, तपस्या और शुद्धता का प्रतीक है, जिसे लेकर भ्रम फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने 'भगवा आतंक' जैसे शब्दों का प्रयोग करने वालों तथा तथाकथित हिन्दू राजनेताओं का पुरज़ोर विरोध करते हुए कहा कि इस प्रकार की शब्दावली सनातन संस्कृति को बदनाम करने का प्रयास है।

सनातन समाज को दी एकजुट होने की चेतावनी

डॉ पवन सिन्हा 'गुरुजी' ने विश्वभर के जागरूक सनातनियों को चेताते हुए कहा कि यदि समाज को विलुप्त होने से बचाना है और भारत को पुनः विश्वगुरु के स्थान पर स्थापित करना है, तो आपसी भेद-भाव को त्यागना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि उचित मार्गदर्शन और संगठित जागरूकता के माध्यम से ही समाज सही दिशा में आगे बढ़ सकता है। सनातन समाज को वैचारिक रूप से मजबूत और संगठित होने की आवश्यकता है।

सम्मेलन में कई गणमान्य व्यक्तियों की रही उपस्थिति

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक क्षेत्र सेवा प्रमुख धनीराम, डॉ दीप्ति सिंघल, सुरेंद्र पाल सिंह तथा कार्यक्रम अध्यक्ष गौरव अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक, समाजसेवी और हिन्दू संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। वक्ताओं ने डॉ पवन सिन्हा 'गुरुजी' के विचारों को समाज के लिए मार्गदर्शक बताते हुए उन्हें वर्तमान समय की आवश्यकता बताया।

सम्मेलन का वातावरण राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक चेतना और सनातन मूल्यों के जयघोष से ओत-प्रोत रहा।

एक नजर

सेमीफाइनल मुकाबलों ने बढ़ाया रोमांच, बीपीएड पैठानी फाइनल में पहुंची

पथ प्रवाह, पाबौ। खूंडेश्वर खेल मैदान में आयोजित स्वर्गीय विपिन सिंह एवं स्वर्गीय प्रताप सिंह राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले खेल प्रेमियों के लिए बेहद रोमांचक साबित हुए। तेज रफ्तार खेल, अनुशासित रणनीति और खिलाड़ियों की जबरदस्त ऊर्जा ने पूरे मैदान को उत्साह और जोश से भर दिया। दर्शकों ने हर पास, हर टैकल और हर प्रयास पर तालियों से खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला बीपीएड पैठानी और टिहरी यूनाइटेड के बीच खेला गया, जो अंत तक बेहद संघर्षपूर्ण रहा। मध्यांतर तक दोनों ही टीमें गोल करने में असफल रहीं। दूसरे हाफ में भी दोनों टीमों ने कई शानदार मौके बनाए, लेकिन मजबूत डिफेंस और गोलकीपरों की मुस्तैदी के चलते स्कोर नहीं खुल सका। अतिरिक्त समय में भी बराबरी बनी रही, जिसके बाद मैच का फैसला टाई ब्रेकर से हुआ। टाई ब्रेकर में बीपीएड पैठानी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4-2 से जीत दर्ज की और फाइनल में प्रवेश किया।

प्रतियोगिता के दौरान खेल भावना और अनुशासन देखते ही बनता था। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री केशर सिंह नेगी तथा राठ महाविद्यालय पैठानी के प्राचार्य विवेक नेगी और उम्मेद सिंह उपस्थित रहे। मेडिकल टीम में प्रदीप सिंह रावत और प्रदीप सिंह नेगी ने अपनी सेवाएं दीं। मैच की कमेंट्री मातवर सिंह चौहान, सचिन रावत और सुधीर रावत ने की, जबकि फेसबुक लाइव प्रसारण हरेंद्र कोहली द्वारा किया गया।

आयोजकों के अनुसार गुरुवार को रस्साकसी का फाइनल, फुटबॉल अंडर-16 का फाइनल और मेन टूर्नामेंट के निर्णायक मुकाबले खेले जाएंगे, जिनको लेकर दर्शकों में खासा उत्साह बना हुआ है।

डाडामंडी में लगे बहुउद्देश्यीय शिविर में दर्ज हुई 45 शिकायतें, जनता को मिला योजनाओं का लाभ

पथ प्रवाह, पौड़ी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में प्रदेशभर में चल रहे 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान के तहत विकासखंड द्वारीखाल की न्याय पंचायत सिरांई का बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन डाडामंडी में किया गया। शिविर में कुल 45 शिकायतें दर्ज की गयीं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर लोगों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही पात्र 135 लाभार्थियों को सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी। वहीं शिविर में 522 स्थानीय लोगों ने प्रतिभाग किया। उपाध्यक्ष सिंचाई सलाहकार समिति ऋषि कंडवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशन में चल रहा जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में जनसमस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहा है। इस अभियान के माध्यम से प्रशासन और विभागीय अधिकारी सीधे जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुन रहे हैं और मौके पर ही निस्तारण सुनिश्चित कर रहे हैं। शिविर में अपर सचिव पंचायतीराज श्याम सिंह ने प्रतिभाग करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा हर न्याय पंचायत स्तर पर बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि ग्रामीणों

को योजनाओं का लाभ उनके ही द्वार पर मिल सके। उन्होंने कहा कि सरकार का यह उद्देश्य है कि जनता को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए जिला या तहसील मुख्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविरों में पहुंचकर सरकारी योजनाओं का लाभ लें। इस दौरान अपर सचिव ने स्थानीय लोगों की समस्याएं भी सुनीं और संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए।

अपर जिलाधिकारी अनिल सिंह गर्ब्याल ने शिविर में मौजूद अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिविर में दर्ज हुई शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन मामलों का समाधान मौके पर संभव है, उन्हें तुरंत निपटाया जाए, ताकि ग्रामीणों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने अधिकारियों को जनहित से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

शिविर में ब्लॉक प्रमुख बीना राणा, जिला पंचायत सदस्य महेंद्र सिंह राणा, उपजिलाधिकारी कोटद्वार संदीप कुमार, जिला पंचायतीराज अधिकारी जितेंद्र कुमार,अपर मुख्यधिकारी जिला पंचायत भावना रावत, प्रबंधक उद्योग उपासना सिंह, खंड विकास अधिकारी जयकृत बिष्ट, उद्यान सहायक गणेश सिंह, ग्राम विकास अधिकारी सुमित सिंह, पूजा रावत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

ममता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा, 'सिर्फ बंगाल ही क्यों?' न्यायालय ने चुनाव आयोग से एसआईआर पर जवाब मांगा

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय में खुद पेश होकर आरोप लगाया कि चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिये उनके राज्य को 'चयनात्मक रूप से निशाना' बनाया जा रहा है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने ईसीआई के खिलाफ सुश्री बनर्जी की याचिका पर सुनवाई की। इसमें आरोप लगाया गया है कि मौजूदा एसआईआर कवायद से बड़े पैमाने पर मतदाताओं का हक छीना जायेगा। उन्होंने इसे एक अपारदर्शी, जल्दबाजी वाली, असंवैधानिक और गैरकानूनी प्रक्रिया बताया। इसके बाद उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने वाली उनकी रिट याचिका पर चुनाव आयोग (ईसीआई) को नोटिस जारी कर उससे सोमवार तक जवाब देने को कहा। मामले की जैसे ही सुनवाई शुरू हुई तो वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने याचिका की गंभीरता का उल्लेख करते हुए बताया कि यह मामला आइटम संख्या 36 और 37 के रूप में सूचीबद्ध नये विषयों से संबंधित है। जब न्यायालय ने संकेत दिया कि वह जल्द ही इस मामले की सुनवाई करेगा तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्वयं पोडियम तक गयीं और पीठ को सीधे संबोधित करने का आग्रह किया। सुश्री बनर्जी ने तर्क दिया, 'यह एसआईआर प्रक्रिया केवल नाम हटाने के लिए है।

केन्द्रीय बजट 2026-27 विकसित भारत-2047 और आत्मनिर्भर उत्तराखंड का सशक्त रोडमैप : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

बजट वर्तमान की आवश्यकताओं से आगे बढ़कर भविष्य के भारत की मजबूत व टिकाऊ आधारशिला

पथ प्रवाह, नैनीताल

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दो दिवसीय नैनीताल भ्रमण के दौरान बुधवार को हल्द्वानी रामपुर रोड स्थित होटल अमरदीप में आयोजित प्रेस वार्ता में केन्द्रीय बजट 2026-27 को विकसित भारत-2047 और आत्मनिर्भर उत्तराखंड की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी बजट बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट केवल वर्तमान की आवश्यकताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाले दशकों के लिए देश की आर्थिक, सामाजिक और रणनीतिक नींव को मजबूत करता है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बजट में पूंजीगत व्यय में की गई उल्लेखनीय वृद्धि से दीर्घकालिक विकास की मजबूत आधारशिला रखी गई है। उन्होंने कहा कि यह बजट आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने के साथ-साथ देश की रणनीतिक स्वायत्तता और संप्रभुता को भी सुदृढ़ करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज की सरकार

के लिए विकास केवल आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि आम नागरिक के जीवन में वास्तविक और सकारात्मक बदलाव का माध्यम है। यह बजट मध्यम वर्ग, करदाताओं और श्रमिकों के लिए राहत और सम्मान का प्रतीक है। नवाचार, विनिर्माण और रोजगार को केंद्र में रखकर तैयार किया गया यह बजट देश की उत्पादकता क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ स्थायी रोजगार के नए अवसर सृजित करेगा, जो दीर्घकालीन आर्थिक मजबूती के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक का पूंजीगत व्यय यह दर्शाता है कि सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर को केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की शक्ति मानती है। सात नए आर्थिक कॉरिडोर, आधुनिक परिवहन नेटवर्क और लॉजिस्टिक्स ढांचे का विस्तार निवेश, उद्योग और क्षेत्रीय संतुलन को मजबूती देगा। वाराणसी-हल्दिया जलमार्ग, दिल्ली-वाराणसी एवं वाराणसी-सिलीगुड़ी उच्च-गति रेल कॉरिडोर न केवल कनेक्टिविटी परियोजनाएं हैं, बल्कि ये व्यापार, पर्यटन, रोजगार और राष्ट्रीय एकता के नए द्वार खोलने वाले कदम हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बजट से उत्तराखंड के समावेशी विकास को सीधा लाभ मिलेगा। पर्वतीय, सीमांत और दूरस्थ क्षेत्रों के साथ-साथ गांवों, महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों और वंचित वर्गों के सशक्तिकरण पर विशेष फोकस किया गया है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड के लिए केंद्रीय करों में राज्य का हिस्सा ?17,414.57 करोड़ निर्धारित किया गया है, जिससे प्रदेश को इस वर्ष ?1,841.16 करोड़ की अतिरिक्त धनराशि प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 'स्कीम फॉर स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट' के विस्तार का जो अनुरोध किया गया था, उसे इस बजट में न केवल स्वीकार किया गया है, बल्कि इसके प्रावधान भी बढ़ाए गए हैं। यह राशि संशोधित अनुमान ?1,44,000 करोड़ से बढ़ाकर ?1,85,000 करोड़ कर दी गई है, जो ?41,000 करोड़ की अतिरिक्त वृद्धि को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि लखपति दीदी योजना की सफलता को आगे बढ़ाते हुए महिलाओं को क्रेडिट-लिंक्ड आजीविका से उद्यमिता की ओर प्रेरित करने की व्यवस्था की गई है, जिससे प्रदेश की महिलाओं की आर्थिक स्थिति और अधिक सुदृढ़ होगी। रेलवे क्षेत्र में उत्तराखंड को ?4,769 करोड़ का रिकॉर्ड आवंटन मिला है, जो 2009-2014 की तुलना में 26 गुना अधिक है। राज्य में ?39,491 करोड़ की रेल परियोजनाएं प्रगति पर हैं। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना अंतिम चरण की ओर अग्रसर है। 11 रेलवे स्टेशन अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित किए जा रहे हैं, 100 प्रतिशत रेल विद्युतीकरण पूर्ण हो चुका है, 54 कवच सिस्टम और 106 फ्लाईओवर/अंडरपास के साथ-साथ 3 वंदे भारत और एक अमृत भारत एक्सप्रेस से राज्य की कनेक्टिविटी सुदृढ़ हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र को बजट में विशेष प्रोत्साहन मिला है, जिससे राज्य में रोजगार के व्यापक अवसर सृजित होंगे। ग्रीन एनर्जी और सतत विकास के लिए हरित ऊर्जा और ग्रीन इकोनॉमी पर विशेष बल दिया गया है, जिससे उत्तराखंड को दीर्घकालिक लाभ प्राप्त होगा। आयुष, फार्मा, खादी, हथकरघा तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहन मिलने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त होगी।

सिंचाई एवं पेयजल आपूर्ति के क्षेत्र में मील का पत्थर सिद्ध होगा जमरानी बांध: मुख्यमंत्री

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नैनीताल जनपद भ्रमण के दौरान गोला नदी पर सिंचाई एवं पेयजल आपूर्ति के उद्देश्य से निर्माणाधीन जमरानी बहुउद्देशीय बांध परियोजना के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने परियोजना स्थल पर उपस्थित अधिकारियों एवं तकनीकी विशेषज्ञों से निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

मुख्यमंत्री ने परियोजना की समयबद्धता, गुणवत्ता एवं प्रगति की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि समस्त निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर, उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूर्ण किए जाएं। उन्होंने परियोजना के अंतर्गत चल रहे अन्य निर्माण कार्यों की विस्तार से जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ निरंतर संवाद के माध्यम से पर्यावरणीय एवं तकनीकी बाधाओं का समाधान किया गया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने क्षेत्रवासियों की जनभावनाओं का

सम्मान करते हुए जमरानी बांध परियोजना को स्वीकृति प्रदान की। मुख्यमंत्री ने परियोजना को आगे बढ़ाने में सहयोग देने वाले स्थानीय निवासियों एवं जनप्रतिनिधियों का भी धन्यवाद ज्ञापित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार योजनाओं को कागजों तक सीमित न रखते हुए धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार शब्दों में नहीं, कार्यों में विश्वास करती है। जनहित से जुड़े विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की अड़चन या धनराशि की कमी को बाधा नहीं बनने दिया जाएगा। राज्य में कोई भी जनकल्याणकारी योजना अधूरी नहीं रहेगी, सभी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जा रहा है।

जमरानी बांध परियोजना समृद्धि का प्रतीक

मुख्यमंत्री ने कहा कि जमरानी बांध परियोजना राज्य की समृद्धि का प्रतीक है। यह परियोजना उत्तराखण्ड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी सिद्ध होगी। बांध के निर्माण से जहां एक ओर सिंचाई एवं पेयजल की सुविधा सुदृढ़ होगी, वहीं स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। साथ ही क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों की मांग के अनुरूप परियोजना से विद्युत उत्पादन की संभावनाओं पर केन्द्र सरकार से वार्ता की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना से कुमाऊं के तराई क्षेत्र के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के किसानों एवं क्षेत्रवासियों को भी प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा, जिससे क्षेत्र में आर्थिक एवं सामाजिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

88 प्रतिशत कार्य हुआ पूरा

जमरानी बांध परियोजना के महाप्रबंधक महेश खरे ने बताया कि परियोजना के अंतर्गत निर्मित की जा रही दो टनलों का कार्य लगभग 88 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। नदी के जल प्रवाह के डायवर्जन हेतु कॉफर डैम का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि जून 2026 तक टनल निर्माण एवं कृत्रिम डैम का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा, जिसके पश्चात आगामी मानसून के दौरान नदी का जल टनलों के माध्यम से डायवर्ट किया जाएगा। इसके उपरांत स्थायी बांध के निर्माण कार्य को तीव्र गति से आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने अवगत कराया कि परियोजना का संपूर्ण निर्माण कार्य जून 2029 तक पूर्ण किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर विधायक कालाढुंगी बंशीधर भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दर्मवाल, दर्जा राज्यमंत्री डॉ. अनिल कपूर डब्बू, दिनेश आर्य, नवीन वर्मा, दीपक मेहरा, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष राजेन्द्र बिष्ट, ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश बिष्ट, के.डी. रूबाली, मण्डलायुक्त दीपक रावत, जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. मंजूनाथ टी.सी. सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, क्षेत्रीय नागरिक एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मनसा देवी की भूस्खलन प्रभावित पहाड़ियों का वैज्ञानिक अध्ययन, देश-विदेश के विशेषज्ञों का स्थलीय निरीक्षण

पथ प्रवाह, देहरादून।

उत्तराखण्ड भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र द्वारा हिंदूकुश-हिमालय क्षेत्र में आपदा-सक्षम विकास विषय पर आयोजित किए जा रहे पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को देश-विदेश से आए भूवैज्ञानिकों और आपदा प्रबंधन विशेषज्ञों ने हरिद्वार स्थित मनसा देवी की भूस्खलन प्रभावित पहाड़ियों का स्थलीय अध्ययन किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 02 फरवरी से 06 फरवरी 2026 तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण एवं वित्तीय प्रशासन अनुसंधान संस्थान, सुद्धोवाला, देहरादून में उत्तराखंड भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र, विश्व बैंक तथा नॉर्वेजियन जियोटेक्निकल इंस्टिट्यूट के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

फील्ड विजिट के दौरान प्रतिभागियों ने मनसा देवी क्षेत्र में भूस्खलन उपचार एवं जोखिम न्यूनीकरण को लेकर विस्तृत मंथन किया। विशेषज्ञों ने वर्तमान में प्रचलित ढाल स्थिरीकरण, भू-अन्वेषण, ड्रिलिंग कार्यों तथा अन्य तकनीकी उपायों का स्थलीय निरीक्षण किया और उनकी प्रगति एवं प्रभावशीलता का

आकलन किया। चर्चा के दौरान यह स्पष्ट किया गया कि किस प्रकार ये उपचारात्मक कार्य भूस्खलन के खतरे को कम करने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं तथा भविष्य में किन अतिरिक्त वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक उपायों की आवश्यकता है। इस अवसर पर मनसा देवी की पहाड़ियों की भू-आकृतिक संरचना, ढाल स्थिरता की वर्तमान स्थिति, भूमि उपयोग पैटर्न, जल निकासी प्रणाली, प्राकृतिक एवं मानवजनित कारकों तथा मौजूदा ढाल स्थिरीकरण एवं सुरक्षा उपायों का गहन अवलोकन किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि इस प्रकार के स्थल-विशिष्ट अध्ययन प्रभावी भूस्खलन न्यूनीकरण रणनीतियों, जल निकासी सुधार, निगरानी एवं प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों की योजना एवं डिजाइन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नेपाल एवं भूटान से आए अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों की सक्रिय सहभागिता ने भूस्खलन जोखिम प्रबंधन में अंतर-देशीय एवं बहु-एजेंसी सहयोग के महत्व को रेखांकित

किया। विशेषज्ञों ने इस बात पर बल दिया कि भूस्खलन शमन उपायों की प्रभावी योजना एवं क्रियान्वयन के लिए एकीकृत, समन्वित और बहु-विभागीय दृष्टिकोण अत्यंत आवश्यक है।

आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास सचिव विनोद कुमार सुमन ने बताया कि इस भ्रमण से प्राप्त निष्कर्ष भविष्य में भूस्खलन जोखिम को कम करने, प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्रों की रक्षा करने तथा संवेदनशील पर्वतीय क्षेत्रों में मानव जीवन एवं आजीविका की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहायक होंगे।

इस अवसर पर उत्तराखंड भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र के निदेशक डॉ. शांतनु सरकार, नॉर्वेजियन जियोटेक्निकल इंस्टिट्यूट के विशेषज्ञ हाकोन हेयर्डाल, डॉ. जीन-सेबास्टियन लह्यूरू, सुश्री हाइडी हेफ्रे, डॉ. माल्टे फोगे, डॉ. स्पर्शा नागुला तथा डॉ. डोमिनिक लैंग सहित भारत, नेपाल एवं भूटान से आए अनेक देसी-विदेशी वैज्ञानिक एवं विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com